देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–71 । सागर, बुधवार 30 अप्रैल 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

शहर में दिनदहाड़े युवक को बेरहमी से पीटा, हवाई फायरिंग कर फैलाई दहशत पृष्ठ 3

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता
अमेरिका से व्यापार समझौते करने वाले देशों को चीन की चेतावनी बेतुकी पृष्ठ 4

पुलिस ने चोरी की घटना का 24 घंटे के अंदर किया खुलासा पृष्ठ 6

नरवाई में आग लगने पर 27 किसानों को भेजा नोटिस पृष्ठ 7

तीनों सेना प्रमुखों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

मोदी ने दी खुली छूट...टारगेट, समय और तरीका तय करे सेना

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश आतंकियों के आका पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के अध्यक्ष के साथ हाई लेवल मीटिंग की। इसमें सीडीएस अनिल चौहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे।
सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। पीएम मोदी ने सेना को खुली छूट दे दी है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई का तरीका क्या हो, इसके टार्गेट्स कौन से हों और इसका समय क्या हो, इस प्रकार के ऑपरेशनल निर्णय लेने के लिए सैन्य बलों को खुली छूट है।

कश्मीर घाटी के 87 में से 50 पर्यटक स्थल बंद

जम्मू, देशबन्धु। इसे आने वाले तूफान की धमक समझा जाए या फिर कोई भयानक खतरा कि प्रदेश सरकार ने पहलगाम नरसंहार में सुरक्षा खामियों पर पर्दा डालने की गरज से कई टूरिस्ट स्पाटों, झरनों, उद्यानों, रेस्तरां और होटलों पर गाज गिराते हुए उनमं पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। आज से कश्मीर में पर्यटकों के लिए 87 पर्यटन स्थलों में से 50 को बंद कर दिया।

सूची में ये नाम हैं शामिल- यूसमर्ग, तौसा मैदान, डूडपथरी, अहरबल, कौसरनाग, बंगस, करिवान डाइवर चंडीगाम, बंगस वैली, वुलर-वटलब, रामपोरा और राजपोरा, चेरहर, मुंडिज-हमाम-मरकूट झरना, खाम्पू, बोस्निया, विजीटाप, सूर्य मंदिर, वेरिनाग गार्डन, सिंथन टाप, मार्गनटाप, अकाड पार्क, हब्बा खातून पाइंट, बाबा रेशी दरगाह, रिंगावली, गोगलदारा, बदरकोट, श्रृंज झरना, कमान पोस्ट, नंबलान झरना, इको पार्क खडनियार, संगरवानी, जामिया मस्जिद, बादामवारी, राजौरी कदल होटल कनाज, आली कदल जेजे फूड रेस्तरां, आइवरी होटल, पदशापाल रिसार्ट्स और रेस्तरां, चेरी ट्री रिसार्ट (फकीर गुजरी), नार्थ क्लिफ कैफे और स्टे पैटर्न द्वारा रिट्रीट, फारेस्ट हिल काटेज, इको विलेज रिसार्ट (दारा), अस्तानमार्ग दृश्य प्वाइंट, अस्तनमर्ग पैराग्लाइडिंग, ममनेथ और महादेव हिल्स, बौद्ध मठ, दाचीगाम - ट्राउट फार्म / मत्स्य पालन फार्म से परे, अस्तनपोरा (विशेष रूप से कायम गाह रिसार्ट, लछपत्री, हंग पार्क और नारानाग।

अब तक 1 हजार से अधिक घरों की तलाशी ली गई

इस बीच, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के आतंकवादी सहयोगियों के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई में और गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों की जांच को आगे बढ़ाने के लिए, श्रीनगर पुलिस ने आज जिले में आतंकवाद-समर्थक बुनियादी ढांचे को खत्म करने के उद्देश्य से शहर में कई स्थानों पर तलाशी जारी रखी। उन्होंने श्रीनगर में 34 संदिग्धों के घरों पर छापे मारे और अब तक कश्मीर में 1000 से अधिक घरों की तलाशी ली गई है।

नई तबादला नीति को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिली

प्रदेश में होंगे थोकबंद तबादले

- मंत्रियों को मिले तबादले के अधिकार
- विभाग खुद बना सकेंगे अपनी तबादला नीति

भोपाल, देशबन्धु। राज्य सरकार ने नई तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब प्रदेश में 1 से 30 मई तक थोकबंद तबादले हो सकेंगे। मंत्रियों और प्रभारी मंत्रियों को भी तबादले के अधिकार दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने तबादला नीति के साथ ही राज्य के किसानों, कर्मचारियों से जुड़े प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। उन्होंने बताया कि नई तबादला नीति को मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत नई नीति के अनुसार तबादले 1 मई से 30 मई के बीच किए जा सकेंगे, यह प्रक्रिया ई-ऑफिस प्रणाली के तहत होगी। यही नहीं अब विभिन्न विभाग अपनी स्वयं की तबादला नीति भी बना सकेंगे, लेकिन इसकी जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग को देना अनिवार्य होगा। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि पदों की संख्या के अनुसार तबादले की अधिकतम सीमा तय की गई है। तबादला नीति के अनुसार 200 पद तक 20 प्रतिशत, 201 से 1000 पद तक 15 प्रतिशत, 1000 से 2000 पद तक 10 प्रतिशत और 2000 से अधिक तक 5 प्रतिशत पद है। उन्होंने बताया कि तबादले स्वेच्छा और प्रशासकीय आधार पर हो सकेंगे।

चंबल में बनेगा 3 हजार मेगावाट का सोलर पार्क

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने चंबल क्षेत्र में 3 हजार मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की साझेदारी में बनेगा। दोनों राज्य इस प्लांट से अपनी आवश्यकता के अनुसार बिजली प्राप्त कर सकेंगे।

पराली जलाने पर नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि

श्री विजयवर्गीय ने कहा कि राज्य सरकार ने पराली जलाने की समस्या को लेकर गंभीर है। इसके लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने तय किया है कि पराली जलाने वाले किसानों की एक वर्ष की सम्मान निधि रोकी जाएगी। ऐसे किसानों के अनाज की सरकारी खरीदी भी एक वर्ष के लिए बंद कर दी जाएगी।

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार ने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रदेश के कर्मचारियों को अब केंद्र सरकार के समान 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।

इंदौर में 20 होगी बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में 20 मई को मंत्रिपरिषद की बैठक इंदौर के राजवाड़ा में होगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में डॉ. यादव ने कहा कि इस बैठक में होल्कर साम्राज्य की स्थापना करने वाले महाराज मल्हार राव होल्कर का भी स्मरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होल्कर के 300वें जन्म जयंती वर्ष का समापन 20 मई को हो रहा है।

विकास और जनकल्याण को समर्पित मध्यप्रदेश

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कार्यक्रम

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 85 लाख से अधिक किसानों को ₹ 1704.94 करोड़

27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को ₹ 600 करोड़ का अंतरण

₹ 1870 करोड़ की धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती सावित्री ठाकुर
राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

30 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे | उमरबन, जिला धार

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11018/25 आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

ब्राह्मण समाज द्वारा निकाली गई वाहन रैली भगवामय नजर आया शहर

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को शहर में युवा ब्राह्मण समाज द्वारा निकाली गई विशाल वाहन रैली में जब विप्रजन भगवा पगड़ी बांधकर वाहनों में सवार होकर जब शहर की सड़कों पर निकले तो पूरा शहर भगवामय नजर आया। युवा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. भरत तिवारी ने बताया कि साढ़े तीन बजे से अलग-अलग टोलियों में विप्रजनों के वाहन कालीचरण चौराहा पर एकत्रित होने लगे थे। शाम 5 बजे तक हजारों चार पहिया और दो पहिया की लाइन लगभग सिविल चौराहे से आगे तक एक किलोमीटर तक लग चुकी थी सबसे पहले सभी को पगड़ियां बांधी गई। पं. गोलू रिछारिया ने बताया कि ठीक 5 बजे समाज के वरिष्ठ जन त्रिलोकी कटारे, सुखदेव मिश्रा, प्रदीप पाठक, शिवशंकर मिश्रा, पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे आदि ने वाहन रैली को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। शिवसेना के उपराज्य प्रमुख पं. पप्पू तिवारी ने बताया कि पहलगाम घटना को लेकर भी ब्राह्मण समाज ने रैली से आतंकवाद का पुरजोर विरोध जताया पगड़ी के साथ-साथ सभी के हाथ में काली पट्टी भी बांधी गई थी। शहर की सड़कों पर ब्राह्मण जय-जय परशुराम के साथ-साथ पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद कहते चल रहे थे। पं. राहुल चौबे ने बताया कि सबसे आगे डीजे उसके पीछे खुले चार पहिया वाहन चल रहे थे जो मातृशक्ति के लिये आरक्षित थे फिर चार-चार पहिया की बड़ी गाड़ियां थी जिसमें वरिष्ठ जन विराजमान थे पूछे दो पहिया वाहन दो-दो की लाइन से चल रहे थे जिसमें युवा विप्र चल रहे थे रैली एक किलोमीटर से भी ज्यादा लंबी थी।

जगह-जगह हुआ स्वागत

पुरोहित पुजारी विद्वत संघ के अध्यक्ष पं. शिवप्रसाद तिवारी ने बताया कि हर गली चौराहे तिराहे पर वाहन रैली का स्वागत किया गया। पं. अनिल दुबे एवं पं. रविन्द्र अवस्थी ने बताया कि समापन स्थल सदर में ठाकुर देवालय पर विधायक प्रदीप लारिया, कुलदीप राठौर ने भी विप्र जनो का स्वागत किया। समापन पर भगवान परशुराम की महाआरती का आयोजन किया आरती बाद खूब आतिशबाजी की गई। वाहन रैली में बड़ी संख्या में विप्र समाजजन एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

गांव-गांव में पानी रोको अभियान प्रारंभ करें: लता वानखेड़े

सागर, देशबन्धु। गांव- गांव में पानी रोको अभियान प्रारंभ करें। उक्त विचार सांसद लता वानखेड़े सहित अन्य अतिथियों के द्वारा कलेक्टर सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा की औपचारिक शुरुआत करते हुये व्यक्त किये। लता वानखेड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा संपूर्ण मप्र में जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत सभी गांव में पानी रोकने सहित स्वच्छता का अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत छोटी नदी नाली बावड़ियों को पुनर्जीवित करने का कार्य भी किया जा रहा है। सांसद लता वानखेड़े, सांसद राहुल सिंह, विधायक बृज बिहारी पटेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, कलेक्टर संदीप जीआर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी सहित और अधिकारियों जनप्रतिनिधियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा की औपचारिक शुरुआत की और कलश का पानी दूसरे कलश में डालकर इस पुण्य कार्य का शुभारंभ किया साथ में शपथ दिलाई।

हनुमान टोरा में मकान की नीव को कमजोर कर रहा बिना मुडेर का कुआं

शाहगढ़, देशबन्धु। हनुमानटोरा गांव जानें वाली सड़क के किनारे बिना मुंडेर का कुआ बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। पिछले कई वर्षो से वीरान इस कुआ की बाउंड्री अथवा समतल करने का अभी तक पंचायत ने कोई पहल नही की। न कोई भी जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। हाईवे मार्ग से हनुमान टोरा गांव जाने बने सड़क मार्ग में बिना मुडेर के इस कुये की मुंडेर आज तक नही बनी है और न ही इनके समीप कोई संकेतक बोर्ड लगा है ऐसे में इनसे यह हर दिन हादसों का अंदेशा बना रहता है। खतरनाक कुए के बाजू में बने मकान में रहने वाली रामवती विश्वकर्मा ने बताया कि सड़क किनारे होने के साथ ही बिना मुंडेर का यह कुआ के बाजू में बने हमारे घर की नीव को कमजोर कर रहा है बारिश में मकान को कभी भी नुकसान पहुंचा सकता है वही आये दिन इस कुएं में मवेशी भी गिर जाते है, तार फेंसिंग अधूरी है।

प्रकृति से जुड़ाव और जीवो के प्रति करुणा भाव हमारे संस्कारों में होना चाहिये: श्वेता पडेले

सागर, देशबन्धु। बचपन प्ले स्कूल तिलकगंज में बच्चों को प्रकृति से जुड़ाव के लिये वृक्षों का महत्व बताते हुये प्राचार्य श्वेता पड़ेले ने बच्चों को बताया कि आज के आधुनिक समय में हम मिट्टी पानी और पेड़ों से बहुत दूर जाते जा रहे हैं। आगामी पीढ़ी भी यदि इसी तरह मिट्टी पानी पेड़ पौधों से दूर हो गई तो वातावरण और पर्यावरण का भाव रूप देखने को तैयार रहना होगा। जिसके चलते बचपन प्ले स्कूल के प्रत्येक छात्र-छात्राओं को पौधा लगाने की एवं उनकी देखरेख की अच्छी आदत सीखने की उद्देश्य से पौधारोपण कराये गये एवं हमारे आसपास के वातावरण में हमारे मित्र पक्षियों को पानी रखने के लिये सकोरा रखने के लिये प्रेरित किया क्योंकि दूसरे जीवों पर भी हमको हमेशा करुणा के भाव रखना सीखना होगा, करुणा भाव हमें दूसरों की सहायता करने की सीख देते हैं। हमेशा दूसरों की मदद करना हमारे संस्कारों की नींव है। पौधारोपण कार्यक्रम में नन्हे नन्हे छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया एवं संचालक सिंथिल पड़ेले, रुचि सिंघाई, नीतू रैकवार, अंजुम आरा, नाजिश खान, सुनील कुमार बेन ने कार्यक्रम में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया।

वाहन रैली का कांग्रेस सेवादल परिवार ने किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव अक्षय तृतीया के आज एक दिन पूर्व मंगलवार को शहर में विप्र बंधुओं द्वारा वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली के तीनबत्ती पहुंचते ही शहर कांग्रेस सेवादल परिवार ने अध्यक्ष सिंटू कटारे के नेतृत्व में विप्र बंधुओं का पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया। स्वागत कर्ताओं वरिष्ठ कांग्रेसी जितेन्द्र रोहण, लल्ला यादव, अंकुर यादव, रवि जैन, अन्नू घोषी, तरुण सैनी, लकी पंडा, आकाश नामदेव परख शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

भाजपा ने वाहन रैली का पुष्पा कर स्वागत किया

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर निकली वाहन रैली का भाजपा द्वारा स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, विधायक शैलेंद्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने तहसीली रोड पर भव्य वाहन रैली का पुष्प वर्षा करते हुये स्वागत किया। कटरा बाजार में जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, विधायक प्रतिनिधि प्रासुक जैन एवं भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने भगवान परशुराम के जयकारों का उद्घोष करते हुये वाहन रैली में शामिल विप्रजनों पर पुष्प वर्षा की। इस दौरान पराग बजाज, सुमित यादव सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह अपनी भव्यता एवं दिव्यता के साथ संपन्न हो: विधायक

सागर, देशबन्धु। विधायक प्रदीप लारिया ने मंगलवार को नपा मकरोनिया के सभागार में नरयावली विधानसभा क्षेत्र के मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम जो 5 मई को रजाखेड़ी बजरिया में आयोजित होना है उसकी तैयारी को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा की। विधायक ने कहा कि नरयावली विधानसभा क्षेत्र के कन्या विवाह सम्मेलन में लगभग 700 वर-वधु परिणय बंधन में बनने जा रहे है। इस वृहद आयोजन में होने वाली सहभागिता एवं ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुये व्यापक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की आवश्यकता होगी। विभागवार जिम्मेदारी तय कर कार्य विभाजन होने से कार्यक्रम अपनी भव्यता एवं दिव्यता के साथ गरिमामय संपन्न होगा। एसडीएम अदिति यादव ने विभागवार कार्य विभाजन कर अपने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाहन कर आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया। बैठक में तहसीलदार सागर ग्रामीण सुनील वर्मा, नायब तहसीलदार ऋतु राय, लालवानी, सीएमओ मकरोनिया पवन कुमार शर्मा, सीएमओ कर्रापुर मनीष परते, नपाध्यक्ष मकरोनिया मिहीलाल, टीआई मकरोनिया रविंद्र चौहान, सागर जनपद सीईओ अजय कुमार वर्मा, राहतगढ़ जनपद एपीओ सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित हुये।

डीपीएस में विश्व नृत्य दिवस पर सजी नृत्य की रंगारंग महफिल

सागर, देशबन्धु। विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल में भव्य नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के गुम्मद क्षेत्र में पूर्वाह्न 10 बजे आरंभ हुआ। इस अवसर पर नृत्य कला की गरिमा को प्रस्तुत करते हुये विद्यार्थियों एवं पालक-पाल्य की जोड़ियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि इंजी. रितुल सराफ निदेशक डीपीएस मकरोनिया, गरिमा जैन निदेशक संचालन समिति विशिष्ट अतिथि इंजी. राहुल सराफ तथा निर्णायक मंडल में कथक में स्वर्ण पदक विजेता आरोही श्रीवास्तव, राष्ट्रीय विजेता आस्था बानो एवं नेट उत्तीर्ण मुस्कान सोनी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविकांत बाजपेयजुला ने अतिथियों का स्वागत पौधारोपण कर किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही पालक-पाल्य नृत्य प्रतियोगिता, जिसमें 35 जोड़ियों ने भाग लिया। फिल्मी गीतों पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में विजेताओं को शील्ड एवं प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया। संचालन महक जैन परामर्शदाता एवं तनिष्का ठाकुर कक्षा 10वीं ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नृत्य शिक्षिका मुस्कान सोनी, प्रभारी विक्रम श्रीवास्तव, सह प्रभारी सिमरजीत सिंह सोढ़ी, मंच सज्जाकार हेमंत ताम्रकार एवं आभार प्रदर्शनकर्ता थंकचन पीसी का विशेष योगदान रहा।

सड़क हादसे में तीन बच्चों सहित पिता घायल

बीना, देशबन्धु। सेमरखेड़ी के पास कचनौदा गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यज्ञ में जा रहे एक परिवार की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में 32 वर्षीय भगवान सिंह और तीन बच्चे घायल हो गये। सेमरखेड़ी निवासी भगवान सिंह अपनी 6 वर्षीय बेटी प्राची के साथ बाइक पर सवार थे। उनके साथ भतीजी संगीता और 8 वर्षीय भतीजा जीवन भी थे। वे रात करीब दस बजे कचनौदा में होने वाले यज्ञ में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद रात दो बजे सभी को सागर रेफर किया गया। भगवान सिंह की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस को घटना की सूचना दी गई है।

नपा उपाध्यक्ष की शिकायतों के बाद मीना चौबे को हटाकर भारती राय को बनाया नया सदस्य

बीना, देशबन्धु। नपा में एक बार फिर पीआईसी का गठन किया गया है। नपाध्यक्ष लता सकवार ने शास्त्री वार्ड की पार्षद मीना चौबे को हटाकर गांधी वार्ड की पार्षद भारती राय को पीआईसी का नया सदस्य नियुक्त किया है। यह बदलाव नपा उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया की शिकायत के बाद किया गया। सीएमओ ने नपाध्यक्ष को आरक्षित वर्ग के एक पार्षद को पीआईसी में शामिल करने का नोटिस जारी किया था। भाजपा प्रदेश संगठन ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने नपाध्यक्ष को निर्देश दिया कि किसी भी बदलाव के लिये जिलाध्यक्ष की सहमति आवश्यक है। मंगलवार को नपाध्यक्ष लता सकवार ने सभी पीआईसी सदस्यों के साथ जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी से मुलाकात की, जिलाध्यक्ष के समक्ष सभी पीआईसी सदस्यों ने अध्यक्ष का विरोध नहीं करने के वायदे किये। बीना में भाजपा तीन प्रमुख गुटों में बंटी हुई है। पहला गुट विधायक निर्मला सप्रे का है, जो एक साल पहले कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुई। दूसरा गुट पूर्व विधायक महेश राय का है, जिसमें नपाध्यक्ष लता सकवार और जनपद अध्यक्ष उषा राय शामिल हैं। तीसरा गुट पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया का है, जो वर्तमान में तटस्थ स्थिति में है। राजनीतिक अनुभव की कमी के कारण नपाध्यक्ष इन गुटों में अलग थलग पड़ गई हैं।

एक दिवसीय आपदा राहत प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में 29 अप्रैल को पुलिस लाइन सागर स्थित सामुदायिक भवन में एक दिवसीय आपदा राहत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जिले में आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत कार्य सुनिश्चित करना रहा। प्रशिक्षण शिविर में जिला पुलिस बल, जिला होमगार्ड बल, स्काउट गाइड तथा ग्राम नगर रक्षा समिति के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों को बाढ़, जलभराव, अग्निकांड जैसी आपदाओं से बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय, प्राथमिक चिकित्सा, फायर फाइटिंग तकनीक एवं आपदा के समय टीम समन्वय पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी साझा की गई, जिसमें प्रमुख रूप से संतोष शर्मा सेनानी जिला होमगार्ड सागर, अरुण कुमार सिंह फायर ऑफिसर, एसव्हीएन विवि आपदा प्रबंधन विभाग एसडीईआरएफ दल जिला होमगार्ड सागर ने प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने आपदा प्रबंधन में प्रयुक्त उपकरणों का डेमो देकर उनकी कार्यप्रणाली समझाई तथा कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक नितेश वाईकर, सूबेदार धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर सहित पुलिस लाइन सागर के अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव आज, निकलेगी शोभायात्रा

सागर, देशबन्धु। बुधवार को भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के अवसर पर शहर में शोभायात्रा निकाली जायेगी। शाम 4.30 बजे रामबाग मंदिर बड़ा बाजार से प्रारंभ होने वाली यात्रा कोतवाली, तीनबत्ती होते हुये पद्माकर स्कूल परिसर नमकमंडी पर समाप्त होगी। ब्राह्मण समाज के शिवशंकर मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार भगवान परशुराम बाल स्वरूप में पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। जयपुर से विशेष रूप से लाई गई प्रतिमा के साथ मेरठ और वाराणसी की भव्य झांकियां शोभायात्रा का हिस्सा होंगी। शोभायात्रा में डमरू दल के कलाकार प्रस्तुतियां देंगे और मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा की जायेगी। समाज के निर्णय अनुसार केवल भगवान की प्रतिमा को ही मालायें पहनाई जायेंगी। महिलायें पगड़ी पहनकर चलेंगी, जबकि पुरुषों को पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं होगी। इसी अवसर पर बाघराज मंदिर के पास ब्राह्मण समाज के नये भवन का भूमिपूजन किया गया। भवन निर्माण के लिये विधायक शैलेंद्र जैन ने 70 लाख और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने 25 लाख रुपये की राशि दी है। समाज ने स्वयं 98 लाख रुपये से अधिक जुटाये हैं। नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने मकरोनिया में एक एकड़ भूमि और 36 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

मनउ-देहरी के सरकारी रास्ते पर अवैध कब्जा

बीना, देशबन्धु। मनउ गांव में एक स्थानीय किसान पर देहरी जाने वाले शासकीय रास्ते पर अवैध कब्जा का आरोप लगाया। किसान ने रास्ते पर फेंसिंग लगा दी है। इस समस्या से परेशान होकर मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में नायब तहसीलदार हेमराज मैहर को एसडीएम विजय डेहरिया के नाम आवेदन सौंपा। तहसीलदार अंबर पंथी ने आश्वासन दिया कि समय सीमा में इस मामले का निराकरण किया जायेगा। मनउ गांव के राज साहू ने बताया कि यह कच्चा रास्ता सीधे देहरी गांव को जोड़ता है। रास्ता बंद होने के कारण अब ग्रामीणों को बीना होकर देहरी जाना पड़ रहा है। यह रास्ता काफी लंबा है। जब ग्रामीणों ने इस कब्जे का विरोध किया, तो आरोपी किसान ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

अपनी ही महिला मेयर पर अभद्र टिप्पणी से भाजपा का असली चेहरा उजागर: राजकुमार पचौरी

सागर, देशबन्धु। महापौर संगीता तिवारी को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी की आपत्तिजनक शब्दावली से भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ गया है। भाजपा के नेता और जनप्रतिनिधियों के बीच चल रही राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई एक अलग बात है, लेकिन प्रथम नागरिक जैसे पद पर बैठी महिला के बारे में कुकृत्य जैसे शब्द लिखना कितना सही है, इसका आत्म अवलोकन करने की भाजपा के नेताओं को जरूरत है। सागर नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। पूरी लड़ाई भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी को लेकर चल रही है। नगर निगम का वर्तमान कार्यकाल इतिहास का सबसे कलंकित कार्यकाल बनता जा रहा है। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने कहा कि राजनीति में दलों के अंदर मतभिन्नता हो सकती है, लेकिन महिलाओं के ऊपर इस तरह की शब्दों का प्रयोग राजनीति में वर्जित होना चाहिये। सत्ताधारी राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है भाजपा अपने जिम्मेदार पदाधिकारियो को शब्दों की मर्यादा का पालन करना सिखाये, भाजपा संस्कार की बाते करती है उनके पदाधिकारी अमर्यादित शब्दाचरण करते है।

गेहूं-मसूर खरीदी में किसानों से की जा रही अवैध वसूली

बीना, देशबन्धु। किसानों से गेहूं और मसूर की खरीदी के दौरान अवैध वसूली का मामला मंगलवार को सामने आया। धनोरा सोसाइटी में प्रति क्विंटल 80 रुपये और मंडी बामोरा में 100 रुपये प्रति क्विंटल की मांग की जा रही है। ग्राम वेलई के किसान चंद्रभान सिंह ठाकुर ने 18 दिन पहले धनोरा सोसाइटी में गेहूं की तुलाई के लिये स्लॉट बुक कराई थी। दो ट्रॉली गेहूं लेकर पहुंचने पर सोसाइटी प्रबंधक वीरेंद्र सिंह ने उन्हें किर्रावदा रामपुर सोसाइटी भेज दिया। वहां से उन्हें पिपरासर सोसाइटी भेजा गया। पिपरासर में भी तुलाई नहीं की गई। किसान की ट्रॉलियां पांच दिन तक 700 रुपये प्रतिदिन के किराये पर खड़ी रहीं। धनोरा सोसाइटी प्रबंधक ने चंद्रभान से 4000 रुपये की मांग की। रुपये नहीं देने पर वह 18 दिनों से सोसायटियों के चक्कर लगा रहे हैं। ग्राम धंसरा के किसान पुष्पेंद्र सिंह ठाकुर मसूर की फसल मंडी बामोरा सोसाइटी लेकर गये। एसडीएम विजय डेहरिया ने कहा कि शिकायतों की जांच की जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अवैध वसूली की शिकायत कार्यालय में दर्ज करायें। दोषियों पर कार्यवाही की जायेगी।

सांसद के प्रयास से उत्तर और दक्षिण भारत के लिये मिली सीधी ट्रेन सुविधा

सागर, देशबन्धु। सागर लोकसभा क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। सांसद लता वानखेडे के निरंतर प्रयासों से अब यात्रियों को उत्तर और दक्षिण भारत के लिये सीधी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हो गई है। बीते सप्ताह 24 अप्रैल को रीवा से चर्लपल्ली हैदराबाद के लिये साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत के बाद अब 1 मई से दुर्ग से लालकुआं नैनीताल के लिये एक और साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। यह उपलब्धि सांसद वानखेडे द्वारा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष किये गये सशक्त प्रस्तुतीकरण और अन्य सांसदों से समन्वय का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से सागर से गुजरने वाले मार्ग को सबसे छोटा और व्यावहारिक विकल्प बताते हुये इसे प्राथमिकता देने की मांग की थी। नई ट्रेन सेवा प्रत्येक गुरुवार को दुर्ग से प्रस्थान करेगी और रात 10.45 बजे सागर स्टेशन पहुंचेगी, जहां से यह उत्तर भारत की ओर रवाना होगी। ट्रेन अगले दिन सुबह 8 बजे मथुरा जंक्शन और शाम 6 बजे लालकुआं पहुंचेगी, जो नैनीताल के समीप स्थित है। यह समयसारणी दिल्ली, मथुरा, नैनीताल और रुद्रपुर जैसे प्रमुख शहरों तक यात्रा करने वालों के लिये बेहद अनुकूल है। इस ट्रेन के माध्यम से रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी मुरवारा, दमोह, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट, दिल्ली हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, रामपुर, रुद्रपुर सिटी और लालकुआं जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन आपस में जुड़ेंगे। इस सेवा से सागर को पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नये अवसर प्राप्त होंगे। ट्रेन में स्लीपर, जनरल और एसी कोच की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा और पर्याप्त सीटें मिलेंगी। मई और जून माह में यह विशेष ट्रेन चयनित साप्ताहिक दिनों पर चलेगी। लता वानखेडे ने उत्तर और दक्षिण भारत के लिये सीधी ट्रेन सुविधा मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सार समाचार

8 लोगों को 4.65 लाख की सहायता राशि मंजूर

छतरपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के गंभीर बीमारी से पी?त 8 लोगों को बेहतर उपचार और 2 अन्य लोगों को 4.65 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिन्हें सहायता राशि दी गई है, उनमें श्याम सुंदर पुत्र कैलाश प्रसाद सोनी वार्ड नं 25 बेनीगंज को 50 हजार, मास्टर खिलन पटेल पुत्र प्रेमचंद पटेल बगाई नदया को 40 हजार, भगवतदीन पुत्र किशोरा कानिया बीजों पोहारपुरवा को 45 हजार, दीपशिखा पुत्री रामबाबू पाठक वार्ड 11 नौगांव को 50 हजार, जयेंद्र सिंह पुत्र अर्जुन सिंह परिहार वार्ड 1 ग्राम बंछौरा को 65 हजार, राकेश पुत्र मन्नालाल बसोर वार्ड 24 बकायन मार्ग को 45 हजार, घनश्याम पुत्र नन्हे बुनकर अलीपुरा को 35 हजार, गिरजाबाई पत्नी ब्रंदावन ग्राम गंज को 1 लाख रुपए की मदद दी गई है। इसी तरह दो अन्य शिववती पाठक पत्नी लक्ष्मीप्रसाद पाठक ग्राम मुरैया अतरार बिजावर को 10 हजार और विनीता जैन पत्नी नरेंद्र कुमार जैन वार्ड 11 बड़ामलहरा को 25 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी गई है।

डीए एरियर्स की शेष किश्तों के भुगतान की मांग

छतरपुर, देशबन्धु। मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने ईशानगर बीईओ किरण कौशिक को ज्ञापन देकर डीए के एरियर्स की शेष किश्तों का भुगतान कराने की मांग की है।

ज्ञापन का हवाला देकर मप्र राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख अशोक पटैरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र हिंगवासिया, कार्यकारी अध्यक्ष शिवेंद्र कुमार निगम और कोषाध्यक्ष स्वतंत्र त्रिपाठी ने बताया शासन द्वारा अक्टूबर 2024 में शासकीय कर्मचारियों के डीए में 4 प्रतिशत की वृद्धि कर 50 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके एरियर राशि का भुगतान चार समान किश्तों में क्रमश: सितम्बर 2024, जनवरी, फरवरी एवं मार्च 2025 में करने के निर्देश भी दिए थे। ईशानगर विकासखण्ड के अंतर्गत कर्मचारियों को डीए एरियर्स की राशि की जिन अंतिम दो किश्तों का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है, इसे शीध्र कराया जाए। बीईओ किरण कौशिक ने संघ को आश्वस्त किया है कि यह राशि तीन चार दिन में कर्मचारियों के खातो में अंतरित करा दी जाएगी।

उधार दिए रूपए वापिस मांगने पर जानलेवा हमला

महाराजपुर, देशबन्धु। गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बारी में उधार दिए गए पैसे वापिस मांगने पर एक युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोपी, पीड़ित को लहूलुहान करकेफरार हो गया है। घायल पुष्पेंद्र पटेल ने बताया वह अपने खेत से घर लौट रहा था, तभी रास्ते में छोटे राजा परमार ने उस पर हमला करके पत्थर से उसके सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुष्पेंद्र ने बताया छोटे राजा ने उससे 50,000 रुपये उधार लिए थे, जो लंबे समय से नहीं लौटाए। जब उसने रुपये मांगे तो छोटे राजा ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पुष्पेंद्र बेहोश हो गया था, परिजनों को वह गांव के सरकारी स्कूल के पास लहूलुहान हालत में मिला। परिजन उसे गढ़ीमलहरा थाने ले गए, जहां उसने शिकायत दर्ज कराई है।

जिला जल अभावग्रस्त घोषित, बोरिंग पर लगी रोक

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने जिले को अगली बरसात आने तक अथवा अन्य आदेश तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। बोरिंग पर रोक लगा दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति पेयजल स्त्रोत का उपयोग सिंचाई साधन एवं व्यावसायिक उपयोग में बिना कलेक्टर की अनुमति से नहीं करेगा। जल स्त्रोत हैंडपंप अथवा ट्यूब वैल से 200 मीटर परिधि में अन्य हैंडपंप अथवा ट्यूब वैल का उत्खनन नहीं करेगा, किसी भी निस्तारी तालाब के पानी का उपयोग सिंचाई एवं व्यावसायिक कार्य में नहीं होगा। शासकीय विभागों द्वारा खनित नलकूपों को छोड़कर शेष सभी प्रकार के नलकूपों का खनन प्रतिबंधित रहेगा एवं विशेष परिस्थितियों में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की लिखित अनुमति के पश्चात् ही नलकूप खनन किया जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित पर कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील किया गया है।

लगातार बुलंद हो रहे आपराधिक तत्वों के हौसले, दिनदहाडे दे रहे वारदातों को अंजाम

शहर में दिनदहाड़े युवक को बेरहमी से पीटा, हवाई फायरिंग कर फैलाई दहशत

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सटई रोड पर मंगलवार को किसी विवाद को लेकर एक युवक को 10 लोगों ने मिलकर बेरहमी से पीटा और हवाई फायरिंग करके दहशत फैलाई है। पुलिस ने दो नामजद सहित चार आरोपियों के के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दी है।

एक तरफ पुलिस अपराधियों की धरपकड में जुटी है, वहीं कहीं न कही पुलिस की जरा सी ढील और लापरवाही का फायदा उठाकर आपराधिक तत्वों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाडे वारदातों को अंजाम देने में जरा भी नहीं डर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मंगलवार को दोपहर में शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सटई रोड पर तब सामने आया जब दो गुटों के कई युवकों के बीच जमकर मारपीट हुई और फायरिंग भी की गई हैं। छतरपुर निवासी पीड़ित विनय विनय उर्फ छोटू तिवारी ने बताया वह सटई रोड पर पेट्रोल पंप के ऑफिस में अपने साथी अमर पटेल के साथ बैठा था। तभी पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम उर्फ लाले शिवहरे का बेटा निखिल शिवहरे एक स्कॉर्पियो कार में अपने कई साथियों के साथ गैंग बनाकर वहां आया। उनके पास लाइसेंसी राइफल और अवैध कट्टा भी था। निखिल ने कट्टे से हवाई फायर करके दहशत फैलाई और साथियों के साथ मिलकर लाठियों से उसे बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। जिससे विनय को घातक चोटें आई हैं।

उसने बताया आरोपियों से उसकी कोई रंजिश नहीं है, लेकिन वे खुद को बाहुबली दिखाने के कारण इस तरह की मारपीट करते रहते हैं। विनय ने आरोपियों के हथियारों का लाइसेंस निरस्त करने और कठोर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि इससे पहले भी निखिल शिवहरे ने एक महिला को अपनी कार से कुचला था, तब पिता के रसूख और पैसों की धमक के कारण वह बच गया था।

सिविल लाइन थाने के टीआई बाल्मीकि चौबे ने बताया विनय और अमर पटेल के साथ चार लोगों ने मारपीट करके हवाई फायरिंग की है। इस प्रकरण में निखिल शिवहरे पुत्र लाले शिवहरे और कैलाश कुशवाहा सहित दो अन्य पर मामला दर्ज किया गया है। राइफल का लाइसेंस निखिल के पिता के नाम पर है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विवाद की वजह दोनों पक्षों के बीच जिम में हुई कहासुनी है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दी है।

शादी का न्योता देने जा रहे दंपति को लूटा

जिले की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के महोबकंठ थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम एक दंपति के साथ लूट की वारदात हुई है। तीन बदमाशों ने बाइक सवार दंपति को लाठियों से पीटकर 2 लाख रुपए के जेवर लूट लिए हैं। पिपरी गांव के 50 वर्षीय फूल सिंह जब अपनी पत्नी रामकुमारी के साथ मोटर साइकिल से शादी का न्योता देने जा रहे थे। तभी पिपरी से 4 किमी दूर नहर पुलिया के पास एक मोटर साइकिल से आए तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने फूल सिंह के सिर में लाठी से प्रहार करके उसे मोटर साइकिल से नीचे गिरा दिया। इसके बाद तीनों ने दंपति को बेरहमी से पीटा। बदमाश रामकुमारी की सोने की झुमकी लूटकर फरार हो गए। एक राहगीर की मदद से घायल दंपति को किराए के एक वाहन से जिला अस्पताल छतरपुर लाकर भर्ती कराया गया है। राजकुमारी ने बताया कि बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और कट्टा दिखाकर सोने की झुमकी लूट ली। जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए है। देर रात अस्पताल चौकी पुलिस ने महोबकंठ थाने को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने लूटकांड की जांच शुरु कर दी है।

निजी क्लीनिक पर इलाज के दौरान महिला की मौत

बमीठा, देशबन्धु। स्थानीय डॉ प्रेमनारायण सचान के निजी क्लीनिक पर इलाज कराने आई एक महिला की मौत हो गई हैं। मृतका के परिजनों ने डाक्टर पर गलत इलाज करने आरोप लगाकर न्याय की मांग की है।

जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय शान्तिबाई पत्नी स्व मिहीलाल रजक को शरीर में कमजोरी के कारण इलाज के लिए डॉ प्रेमनारायण सचान के क्लीनिक पर लाकर भर्ती किया गया था। वहां साढे बारह बजे उसे बोतल चढाई गई, इसके बाद महिला ने बाजार से खरीददारी करके शाम 3 बजे अपने घर बामारी चली गई। घर में अचानक शान्ति को उल्टी दस्त होने लगे, उसे शाम पाँच बजे करीब फिर से डॉ सचान के यहाँ लाया गया। क्लीनिक पर डॉ सचान ने महिला को दो इंजेक्शन लगाए, तभी महिला ने दम तोड दिया। परिजन की शिकायत पर बमीठा पुलिस ने मर्ग कायम करके शव को पोस्टमार्टम के लिए राजनगर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है पीएम रिपोर्ट के आधार पर जांच के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

बड़ी कार्रवाई : झोलाछाप डॉ टर का लीनिक सील

खजुराहो, देशबन्धु। राजनगर क्षेत्र के ग्राम भभुआ में बीएमओ डॉ. यशवंत बमौरिया ने नायब तहसीलदार प्रतीक रजक और पुलिस के सहयोग से झोलाछाप डॉक्टर गोपाल पटेल के निजी क्लीनिक पर छापा मारकर उसे दवाईयों सहित सील कर दिया है।

इन दिनों कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर जिले में झोलाछाप डॉक्टरों व अवैध रूप से संचालित पैथालॉजी पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में टीम ने ग्राम भभुआ में झोलाछाप डॉक्टर गोपाल पटेल के निजी क्लीनिक पर जाकर उसकी डिग्री और दस्तावेज मॉगे। जो प्रस्तुत न कर पाने पर निजी क्लीनिक को लगभग दो दर्जन दवाओं और उपकरणों सहित सील कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों के बीच पंचनामा भी बनवाया गया। इस कार्रवाई से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। कई झोलाछाप डॉक्टर अपने-अपने क्लिनिक बंद करके भाग गए। बीएमओ डॉ बामोरिया ने बताया कि क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा ऐसे की निजी क्लीनिक व पैथोलॉजी जो फर्जी तरीके से चल रही हैं, उनके खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। लोग इसकी जानकारी दें, तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

पंचायत बरायच खेरा में 367.15 लाख के कार्यों का भूमिपूजन, छतरपुर में लोकार्पण

छतरपुर, देशबन्धु। विधायक ललिता यादव ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समारोह पूर्वक 367.15 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को विकास की सौगात दी है।

विधायक श्रीमती यादव ने ग्राम पंचायत बरायच खेरा में गंगायच तक 14.40 लाख की लागत से सड़क निर्माण, बरायच खेरा से महराजगंज तक 311.25 लाख रुपए से 4 .33 किमी लम्बी स?क निर्माण कार्य और बरायच खेरा हायर सेकेंडरी स्कूल की बाउंड्रीवॉल का 10 लाख से निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया है। इस मौके पर सरपंच, सचिव सहित ब?ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इसी तरह

विधायक श्रीमती यादव ने छतरपुर शहर में पलौठा रोड पर 31.50 लाख रुपए की लागत से बन कर तैयार हुए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण किया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, सीएमओ माधुरी शर्मा और सीएमएचओ डॉ आरपी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

रैंक होल्डर, सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चे सम्मानित

छतरपुर, देशबन्धु। महर्षि विद्या मंदिर में मंगलवार को विभिन्न स्तरों पर छात्रों द्वारा वर्ष भर उनके द्वारा की गई मेहनत को समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। रैंक होल्डर के साथ सर्वाधिक उपस्थिति और अच्छी गणवेश पहनने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र व उपहार से नवाजा गया है।

विद्यालय के पीआरओ पंकज जैन महर्षि ने बताया शैक्षणिक स्तर पर प्रत्येक विद्यार्थी को उचित सम्मान मिल सके, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा किड्स जोन, जूनियर विंग, मिडिल विंग और सीनियर विंग स्तर पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। करीब 500 से अधिक बच्चों में अव्वल स्थान लाने वाले बच्चों को रैंक होल्डर अवार्ड, सर्वश्रेष्ठ गणवेश पहनने वालों को बेस्ट यूनिफॉर्म अवार्ड और कक्षा में अधिकतम उपस्थिति वालों को हाइएस्ट अटेंडेंस अवार्ड से उनके माता-पिता की मौजूदगी में नवाजा गया है। विद्यालय के प्राचार्य सीके शर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा हमारा लक्ष्य बिना अभिवावकों के सहयोग से पूरा नहीं हो सकता है। इस कारण अभिवावक सबसे पहले बधाई के पात्र हैं।

आयोजन : भारतीय जैन संगठना ने दिए कैरियर गाइडेंस के टिप्स

छतरपुर, देशबन्धु। डेरा पहाड़ी स्थित बाहुबली सभागार में भारतीय जैन संगठना मध्यप्रदेश पूर्व की छतरपुर चेप्टर द्वारा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प. देवप्रभकार शास्त्री इंजिनीरिंग कॉलेज के कैरियर कॉउंसल्लरों इंजी. सौरभ जैन एमडी डिपार्टमेंट ऑफ फॉर्मेसी, इंजी. अजित शर्मा डीन अकैडमिक एचओडी (इलेक्ट्रॉनिक एवं कम्युनिकेशन) इंजी. अनिल वर्मा कॉउंसल्लर और एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 12 वी के बाद समस्त प्रकार की कैरियर के संभावित क्षेत्रों के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्रों द्वारा इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के क्षेत्र से जुड़े अनेको प्रश्नों को पूछा गया जिसमें छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें गिफ्ट भी दिए गए।

बच्चों ने की स्कूल के पास से शराब की दुकान हटाने की मांग

छतरपुर, देशबन्धु। बमीठा क्षेत्र के ग्राम गंज में स्कूल के पास से शराब की दुकान हटाने और क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर स्कूल के बच्चों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन दिया है।

गोविंद सिंह ने बताया क्षेत्र के हर गांव में दो-दो स्थानों पर खुलेआम शराब बिक्री हो रही है, जिससे युवा वर्ग बर्बादी की कगार पर है। उन्होंने गंज स्कूल के पास संचालित शराब ठेके को तत्काल हटाने और शराब टेंडर निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछली जनसुनवाई में दिए गए आवेदन के बाद आबकारी विभाग की टीम ने स्कूल और सड़क से दुकान की दूरी नापी, लेकिन दुकान अब तक नहीं हटाई गई। इस मुद्दे पर गोविंद सिंह और आबकारी इंस्पेक्टर जितेंद्र शर्मा के बीच बहसबाजी भी हुई। जितेन्द्र शर्मा का कहना था दुकान हटाना उनका काम नहीं है, उनका काम केवल जांच करना है, जो उन्होंने पूरा कर लिया है। ज्ञापन में स्कूल के पास शराब की दुकान के कारण बच्चों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को रेखांकित करते हुए त्वरित कार्रवाई कर दुकान को हटाने मांग की गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियानः सौ साल पुरानी बावड़ी का बदला स्वरुप

छतरपुर, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद बिजावर के वार्ड नं 13 में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में स्थित 100 साल पुरानी बाबडी जो सालों से उपेक्षित पडी थी, उसका कायाकल्प करके नया आकर्षक स्वरुप दिया गया है।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मंदिर परिसर में स्थित राजा-महाराजाओं के जमाने में बनाई गई करीब 100 साल पुरानी बावडी के कायाकल्प की मुहिम शुरु की गई। इसकी सफाई कराई गई, रंगाई-पुताई के बाद आसपास पौधरोपण करके उसे एक अलग आकर्षक स्वरुप में लाया गया है। इस अभियान में बिजावर एसडीएम विजय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में नगर परिषद के सीएमओ संतोष सैनी

की भूमिका खास रही है। अब ये बावडी उपयोगी और देखने लायक हो गई है। जो इस अभियान के सही तरीके से क्रियान्वयन के बाद सफलता की गवाह बनी है।

एसडीएम ने किया तालाबों में हितग्राहीमूलक कार्यों का निरीक्षण

लवकुशनगर एसडीएम राकेश शुक्ला ने जनपद पंचायत के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत देवनगर में सार्वजनिक परकुलेशन तालाब के जीर्णोद्धार व अन्य हितग्राही मूलक कार्यों का निरीक्षण किया है। इस दौरान जनपद सीईओ हरीश केशरवानी, तहसीलदार अनिल श्रीवास्तव और सुप्रिया बागरी सहित पंचायत के सरपंच व सचिव भी उपस्थित थे। एसडीएम ने मौके पर मौके पर मजदूरों से चर्चा की साथ ही लोगों को तालाब के उपयोग और उसके लाभ के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा यह कार्य पर्यावरण, रोजगार और किसानों के लिए बेहतर परिणाम देने वाला साबित होगा।

एसडीएम श्री द्विवेदी ने बताया जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलया जा रहा है। इसके तहत नगरीय निकायों वग्राम पंचायतों स्तर पर कुंए, तालाब, बाबडी, बांध व अन्य जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इसमें समाज के लोगों की सहभागिता से जल संरक्षण की दिशा में जनजागरण के कार्यक्रम भी हो रहे हैं। इसी क्रम में बिजावर के वार्ड नं 13 में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में स्थित 100 साल पुरानी बाबडी का कायाकल्प करके उसे नए व आकर्षक स्वरुप में लाया गया है।

काम आई समझाइशः हल्दी के बाद रुकी नाबालिग अंजली की शादी

खजुराहो, देशबन्धु। ग्राम मझगुवा में पहुंचकर महिला बाल विकास विभाग की टीम ने एक नाबालिग लड़की की शादी रुकवाई है। रोक दी। दरअसल 16 वर्षीय अंजली अहिरवार की शादी मंगलवार को होने वाली थी, वैवाहिक रस्म के चलते उसे हल्दी भी लग चुकी थी।

टीम को जैसे ही बालविवाह की सूचना मिली, वैसे ही मौके पर जाकर राजनगर की महिला बाल विकास अधिकारी रजनी शुक्ला ने परिजनों को समझाया गया कि 18 साल से कम उम्र में शादी करना कानूनी अपराध है। बालिका की जितनी उम्र अभी 18 वर्ष पूर्ण होने में बाकी है, वह पूर्ण हो जाने के बाद ही उसकी शादी करें,अभी उसकी पढ़ाई लिखाई कराइयेगा। इस पर परिवार के लोग मान गए। दूल्हे पक्ष से भी बात करके चेतावनी दी गई कि अगर लड़की की उम्र 18 साल से कम है, तो बारात लाने पर कडी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पर्यवेक्षक मीरा बाजपेयी ने बताया शासन की मंशा बाल विवाह रोकने की है। इससे बालिकाओं को उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचाया जा सकेगा। बता दें कि अंजली की शादी 30 अप्रैल को होना थी। लड़के पक्ष को बारातियों को भी फोन पर समझाइश दी गई है। अंजली के परिवारजन ने बताया कि जब लड़का लड़की राजी हैं, तो मां बाप क्या कर सकते हैं। अगर लड़की बिल्कुल छोटी होती तो वो नाबालिग कहलाती, अब आधार कार्ड और मार्कशीट में उम्र कम लिखी हैं तो हम क्या करें।

देशबन्धु

सागर, बुधवार 30 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

दुष्प्रचार साबित हुआ सीडब्ल्यूजी घोटाला

2010 में दिल्ली में आयोजित हुए राष्ट्रमंडल खेल (कॉमनवेल्थ गेम- सीडब्ल्यूजी) से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निवेदन पर दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने बन्द कर दिया। इस मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता सुरेश कलमाड़ी समेत 14 लोगों को आरोपी बनाया गया था तथा तब के प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने शक की ऊंगलियां तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की ओर भी उठाई थी। मामले के करीब एक वर्ष बाद अस्तित्व में आई आम आदमी पार्टी ने भी इसे लेकर शीला दीक्षित की घेराबन्दी की थी जिसका लाभ उसे 2015 के विधानसभा चुनाव में मिला था। दीक्षित के नेतृत्व में शानदार काम कर रही कांग्रेस सरकार की हार हुई थी। उसके बाद हुए 2020 एवं 2025 के चुनावों में कांग्रेस का विधानसभा में नामलेवा तक न रहा।

सीडब्ल्यूजी के शानदार आयोजन ने चाहे दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा किया हो, लेकिन इस झूठे मामले की बड़ी कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी थी। कह सकते हैं कि 2014 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को जिन झूठे आरोपों के कारण 2014 के आम चुनावों में हार का मुंह देखना पड़ा था, उनमें कथित 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के साथ यह आरोप भी था। भाजपा द्वारा कोल ब्लॉक की नीलामी में लगाये गये बड़े भ्रष्टाचार का आरोप भी ईडी या केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) साबित नहीं कर पाई तथा वह मामला भी बन्द हो गया। सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत पांच लोगों के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामला हो या प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का हरियाणा में कथित जमीन खरीद घोटाला, सरकार की जांच एजेंसियां अब तक पूछताछ ही कर रही हैं। साफ है कि कांग्रेस को इन घोटालों द्वारा भाजपा बदनाम किया गया। टूजी स्पेक्ट्रम और कोयला खानों के आवंटन के मामले में विनोद राय ने तो माफी भी मांगी थी जो कि देश के महालेखाकार थे और जिनकी रिपोर्ट में ही यह आरोप लगा था। बाद में जब उन्हें भाजपा सरकार ने राज्यसभा सदस्य बनाया था, तभी साबित हो गया था कि पूरी रणनीति बनाकर मनमोहन सिंह सरकार को बदनाम कर कांग्रेस को हराया गया था।

सीबीआई का आरोप था कि कॉमनवेल्थ गेम्स-2010 के लिए दो अनुबंधों के अवैध आवंटन से आयोजन समिति को 30 करोड़ रुपयों की हानि हुई थी। सीबीआई ने इस कथित घोटाले को लेकर 19 एफआईआर दर्ज की थीं और जनवरी 2014 में सबूतों के अभाव में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, वहीं ईडी की जांच में भी किसी भी मामले में 'घोटाले' का कोई भी जिम्मेदार पकड़ा नहीं जा सका। इसे देखते हुए, राउज़ एवेन्यू अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की क्लोज़र रिपोर्ट स्वीकृत कर ली। इस फैसले के साथ मनी लॉन्ड्रिंग के सारे आरोप भी खत्म हो गये। इस तरह कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के प्रमुख सुरेश कलमाड़ी, महासचिव ललित भनोत और अन्य आरोपियों के खिलाफ जारी जांच भी समाप्त हो गयीं। कोर्ट ने स्वीकार किया कि जांच से हेराफेरी का कोई गुनाह साबित नहीं होता इसलिये ईडी द्वारा प्रस्तुत की गई समापन रिपोर्ट को उसने स्वीकार कर लिया। स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने टिप्पणी की कि सीबीआई पहले ही आरोपियों को बरी कर चुकी है, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। कोर्ट ने ईडी के इस तर्क को मान लिया कि जब मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि नहीं होती तो मामले को आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं है। सीबीआई ने पहले ही इस मामले में समापन रिपोर्ट दायर की थी जिसमें उसने कहा था कि मामले में कोई भी विश्वसनीय सबूत सामने नहीं आए हैं जिनके बल पर आरोप साबित हो सकें।

उल्लेखनीय है कि 3 से 14 अक्टूबर, 2010 तक नयी दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था लेकिन उसकी शुरुआत के पहले ही उसके मुख्य स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के निकट नए बने पैदल यात्री पुल ढह जाने से इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इस पर खूब चर्चा हुई थी। वैसे सीडब्ल्यूजी के आयोजन से दिल्ली की सूरत काफी बदल गयी थी। विश्व के सामने देश की छवि को संवारने के लिये, जिसमें आयोजकों को सफलता व प्रशंसा दोनों ही मिली थी, अनेक नागरिक सुविधाएं विकसित हुई थीं। अनेक नवनिर्माण हुए और पुराने भवनों व स्टेडियमों का जीर्णोद्धार किया गया। शहर का नये सिरे से सौंदर्यीकरण किया गया था तथा उसे दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों एवं मेहमानों को प्रभावित करने वाला विश्वस्तरीय काम हुआ था; परन्तु अनियमितताओं के अनेक आरोपों के कारण दिल्ली सरकार तथा देश की बदनामी भी बहुत हुई थी। शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार को तो इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा था। इसके चलते सुरेश कलमाड़ी का एक तरह से राजनैतिक कैरियर ही खत्म हो गया और आप ने बहती गंगा में हाथ धोते हुए इसका भरपूर सियासी लाभ उठाया था। उन्होंने शीला दीक्षित को 'देश की सर्वाधिक भ्रष्ट सीएम' तक कह डाला था। वैसे जिस भाजपा ने इस मामले को लेकर शीला दीक्षित तथा मनमोहन सिंह को बदनाम किया था, उसे भी चुनावी सफलता नहीं मिल पाई थी। लाभ तो आप ले गयी। हालांकि अब भी दिल्लीवासियों का मानना है कि दिल्ली का असली कायाकल्प करने वाली शीला दीक्षित थीं जिन्होंने इसी खेल आयोजन के अवसर पर देश की राजधानी में व्यापक सुधार किये थे।

सवाल है कि क्या भाजपा अच्छे-भले कामों में कोई घोटाला न होने के बावजूद बदनाम करने की अपनी प्रवृत्ति समाप्त करेगी या नहीं और क्या जनता वास्तविक भ्रष्टाचार और दुष्प्रचार के बीच अंतर करना सीखेगी?

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता

भारतीय मीडिया, खास कर टेलीविजन के राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल इस वक्त अपने अल्प इतिहास में सार्वकालिक पतन के दौर से गुजर रहे हैं। ताजा मामला है कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उसका रवैया। कश्मीर घाटी के बाशिंदों को पिछले एक दशक में जितना बदनाम और भावनात्मक रूप से जितना आहत भाजपा की प्रोपेगेंडा मशीनरी ने नहीं किया है, उससे ज्यादा उन्हें बदनाम करने और उनके जख्मों को कुरेदने का काम देश के इन राष्ट्रीय टीवी चैनलों ने किया है। इसीलिए आम तौर पर इन टीवी चैनलों को भी अब भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा ही माना जाने लगा है।

इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चैनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफ़रत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है।

टीवी चैनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था और उसका विभाजन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। तब भी इन टीवी चैनलों ने अपने संवाददाताओं को कश्मीर भेजे बगैर ही कश्मीर के बारे में खूब मनगढ़ंत और बेसिर-पैर की खबरें अपने दर्शकों को परोसी थीं। उस समय विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले से कश्मीर घाटी के लोग बेहद क्षुब्ध और निराश थे। अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने कई दिनों तक अपना काम-काज बंद रखा था। समूची कश्मीर घाटी में लॉकडाउन जैसे हालात थे। उसी दौरान इन पंक्तियों के लेखक ने अपने साथी पत्रकार महेंद्र मिश्र के साथ हालात का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी की यात्रा की थी। हम लोग वहां एक सप्ताह तक रहे थे।

उस समय तमाम टीवी चैनल कश्मीर को लेकर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे थे मानो वह किसी दूसरे देश का हिस्सा था, जिसे भारत सरकार ने हमला कर जीत लिया हो और अपना हिस्सा बना लिया है। यह बात बार-बार जोर देकर बताई जा रही थी कि अब कोई भी भारतीय वहां आसानी से जमीन खरीद सकेगा, वहां बस सकेगा। यही नहीं, भाजपा के कुछ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने तो ऐसे भी बयान दिए थे कि अब भारत के दूसरे प्रदेशों के नौजवान कश्मीर से अपने लिए दुल्हन भी ला सकेंगे। ऐसे बेहूदा बयानों को तमाम टीवी चैनल बढ़-चढ़कर दिखा रहे थे। इसी बात को सोशल मीडिया पर भाजपा का समर्थक वर्ग और भी ज्यादा भद्दे तरीके से प्रचारित कर रहा था, जिससे हर कश्मीरी बुरी तरह आहत और दुखी था, वह अपने को अपमानित महसूस कर रहा था। ऐसा महसूस करते हुए उसका दुखी होना स्वाभाविक भी था।

अनिल जैन

इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा।

उस समय तमाम बेखबरी टीवी चैनल रोजाना पुराने फुटेज और सरकारी दावों के आधार पर बता रहे थे कि कश्मीर घाटी में जनजीवन लगातार सामान्य हो रहा है, लेकिन श्रीनगर पहुंचकर हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही हमने पाया था कि कहीं कुछ सामान्य नहीं है। उस दिन कश्मीर में जनता द्वारा लागू लॉकडाउन का 32वां दिन था। डिजिटल इंडिया में उस 'नए कश्मीर' का जनजीवन बगैर मोबाइल फोन और इंटरनेट के पूरे 33 दिन से अपाहिज बना हुआ था।

हमने एक हफ्ते वहां रहते हुए देखा था कि सरकारी स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं लेकिन वहां पढ़ने वाले बच्चे नदारद हैं। सरकारी परिवहन के साधन बंद थे। सरकारी दफ्तर, बैंक आदि भी खुलते थे लेकिन उनमें सन्नाटा पसरा रहता था। होटलें, रेस्टोरेंट, दुकानें पूरी तरह बंद थे। देशी-विदेशी पर्यटकों का आना पूरी तरह बंद था। डल झील में तमाम शिकारे खामोश और उदास खड़े थे। पूरे श्रीनगर में हर दस कदम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात थे।

हमने देखा था कि सुबह के वक्त दो घंटे के लिए खाने-पीने के सामानों की दुकानें खुलती थीं, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की जरुरतों का सामान खरीद सकें। बस उन्हीं दो घंटों की लड़खड़ाती और उदास चहल-पहल के बाद पूरे दिन घाटी में सन्नाटा पसरा रहता था। यही माहौल बाद में दो महीने तक और रहा था। फिर भी टीवी चैनलों की खबरों में इन सब बातों का कोई ज़िक्र नहीं हो रहा था। जो कुछ बताया जा रहा था, वह हकीकत से एकदम उलट यानी सरासर बकवास था। इसी वजह से घाटी के बाशिंदों में जबरदस्त गुस्सा था। उनका कहना था कि ये सारे चैनल कश्मीर के मौजूदा हालात की लगातार गलत तस्वीरें पेश कर रहे हैं।

बहरहाल, इस समय पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी टीवी चैनलों का रोल बेहद आपत्तिजनक और गंदा है। उनकी खबरों के प्रस्तुतिकरण में वस्तुनिष्ठता सिरे से नदारद है। हमले के दौरान और हमले के बाद श्रीनगर, पहलगाम और आसपास के इलाकों के बांशिदों ने पीड़ित पर्यटकों की जिस तरह मदद की, उसे सिरे से नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर उन्हें मारा। अगर यह बात सही है तो जाहिर है कि उनका मकसद इस नरसंहार के जरिये देश के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अलगाव व नफ़रत की खाई को और ज्यादा गहरा व चौड़ा करना था। तमाम टीवी चैनल आतंकवादियों के इसी मकसद को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

किसी भी टीवी चैनल की ओर से सरकार से यह सवाल नहीं पूछा जा रहा है कि जब पूरे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न सुरक्षा बलों के ढाई लाख से ज्यादा जवान तैनात हैं तो जिस जगह हमला हुआ वहां सुरक्षा बल का एक भी जवान क्यों नहीं तैनात था? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एक बार नहीं, कई मर्तबा किए गए इस दावे पर कोई सवाल नहीं उठा रहा है कि नोटबंदी और जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद आतंकवाद की कमर टूट गई है।

सबसे खतरनाक बात तो यह है कि देश में युद्धोन्माद फैलाने के मकसद से कुछ चैनलों पर भारतीय सेना की संभावित रणनीतियों और पाकिस्तान की संभावित चालों पर भी खुली बहस हो रही है। जिस जानकारी तक दुश्मन देश को पहुंचने में समय लगता है, उसे टीवी चैनलों के स्टूडियो से मुफ्त में परोसा जा रहा है। सवाल है कि ऐसे चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाने की इजाजत किसने दी है? राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट भी इस सिद्धांत को मजबूती से स्थापित करते हैं कि किसी भी परिस्थिति में संवेदनशील सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से मीडिया के लिए एक एडवाइज़री जारी की गई है, लेकिन लगता नहीं है कि सरकार में बैठे राष्ट्रवाद और देशभक्ति के झंडाबरदार भी उस एडवाइज़री को लेकर गंभीर हैं।

कुछ टीवी चैनल तो टीआरपी बटोरने की अंधी दौड़ में इस कदर बदहवास हो चुके हैं कि देश के पूर्व सैन्य अधिकारियों को नाटकीय तौर पर भारतीय और पाकिस्तानी खेमों में बांटकर काल्पनिक युद्ध में भिड़ाने का तमाशा भी करवा रहे हैं। यह सिर्फ पत्रकारिता का ही पतन नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत की भी आपराधिक अनदेखी है। कोई भी सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी इस तरह टीवी कैमरों के सामने बैठकर ऐसे आपराधिक तमाशे का हिस्सा कैसे बन सकता है? कहने की आवश्यकता नहीं कि इन टीवी चैनलों ने राष्ट्र की सुरक्षा को लोगों के मनोरंजन और अपने धंधे का साधन बना लिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अमेरिका से व्यापार समझौते करने वाले देशों को चीन की चेतावनी बेतुकी

■ नन्तू बनर्जी

अमेरिका द्वारा लगाये गये भारी आयात शुल्क से प्रभावित, निर्यात-आधारित चीन बेचैन हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीन पर लगाये गये निषेधात्मक आयात शुल्क के बाद उसका नंबर 1 निर्यात गंतव्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, अचानक उसकी पहुंच से बाहर हो गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि चीन ने अपने खर्च पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापक आर्थिक समझौता करने की कोशिश करने वाले देशों के खिलाफ चेतावनी जारी की है, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध में उसकी बयानबाजी और तेज हो गयी है।

विशेष रूप से, भारत, जो अमेरिका के बाद चीन का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष गंतव्य है, वर्तमान में एक नये व्यापार सौदे के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। 2024-25 में भारत का अमेरिका को निर्यात और चीन से आयात अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के साथ, चीन स्पष्ट रूप से इस बात से चिंतित है कि भारत का चीन से आयात अमेरिका की ओर खिसक सकता है। अमेरिका के साथ, भारत का पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 41.18 अरब डॉलर का व्यापारिक व्यापार अधिशेष था, जबकि चीन के साथ इसका व्यापार घाटा 99अरब डॉलर से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका का भारत के कुल निर्यात में लगभग 19.78 प्रतिशत और कुल आयात में 6.29 प्रतिशत हिस्सा था।

> भारत अब दोनों देशों के बीच नये व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। चीन ने वाशिंगटन पर दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक को अपने कब्ज़े में लेने के लिए अपने आयात शुल्क तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। बीजिंग चीन की कीमत पर कोई भी सौदा करने वाले किसी भी पक्ष का दृढ़ता से विरोध करेगा और 'दृढ़ और पारस्परिक तरीके से जवाबी कार्रवाई करेगा।

चीन भारत के लिए विदेशी मुद्रा निकासी का सबसे बड़ा जरिया साबित हुआ क्योंकि 2024-25 में चीन के साथ देश का व्यापार घाटा अब तक के उच्चतम स्तर 99.2अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारत की ओर चीन के बड़े पैमाने पर व्यापारिक निर्यात ने पिछले वर्ष की तुलना में चीन के निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जबकि देश ने भारत से अपने आयात को और कम कर दिया। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर मात्र 14.25अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष के 16.66अरब डॉलर से कम है।

भारत अब दोनों देशों के बीच नये व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। चीन ने वाशिंगटन पर दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक को अपने कब्ज़े में लेने के लिए अपने आयात शुल्क तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। बीजिंग चीन की कीमत पर कोई भी सौदा करने वाले किसी भी पक्ष का दृढ़ता से विरोध करेगा और 'दृढ़ और पारस्परिक तरीके से जवाबी कार्रवाई करेगा,' उसके वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा। विडंबना यह है कि अगर चीन इसके कार्यान्वयन के बारे में गंभीर है, तो इस खतरे से भारत को बहुत लाभ होने की उम्मीद है। वास्तव में, भारत को अपने उद्योग और स्थानीय रोजगार की रक्षा के लिए चीन के खिलाफ़ एक बड़ा आयात व्यापार अवरोध खड़ा करना चाहिए, जब तक कि चीन बड़े व्यापार अंतर को पाटने के लिए पारस्परिक आधार पर भारत से माल के पर्याप्त आयात की अनुमति नहीं देता।

माना जाता है कि ट्रम्प प्रशासन चीन के साथ व्यापार को रोकने के लिए अमेरिका से शुल्क में कटौती या छूट की मांग करने वाले देशों पर दबाव डाल रहा है, जिसमें मौद्रिक प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2 अप्रैल को चीन को छोड़कर दर्जनों देशों पर लगाये गये व्यापक टैरिफ को रोक दिया है, जिसमें दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को सबसे बड़े व्यापारिक आयात शुल्क के लिए चुना गया है। पिछले कुछ वर्षों में, चीन से बढ़ते आयात ने अमेरिका में घरेलू उद्योग और रोजगार के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। अब, अमेरिका इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। यह राष्ट्रपति ट्रम्प के चीनी आयात पर टैरिफ को 145 प्रतिशत तक बढ़ाने के कदम की व्याख्या करता है, जिससे बीजिंग को अमेरिकी वस्तुओं पर 125 प्रतिशत का प्रतिशोधी शुल्क लगाने के लिए प्रेरित किया है, जो प्रभावी रूप से एक दूसरे के खिलाफ व्यापार दीवारें खड़ी करता है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ने तथाकथित 'समतुल्यता' के बैनर तले सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ का दुरुपयोग किया है, साथ ही सभी पक्षों को उनके साथ तथाकथित 'पारस्परिक टैरिफ' वार्ता शुरू करने के लिए मजबूर किया है।' चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को चीन के निर्यात घाटे को आंशिक रूप से कवर करने के इरादे से प्रमुख आसियान देशों में घूमना शुरू कर दिया। हालांकि, बहुत से आसियान देश इस बात से सहमत नहीं हैं क्योंकि वे चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे से भी पीड़ित हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कुछ दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का दौरा किया, और अपने आसियान व्यापार भागीदारों से अमेरिका द्वारा एकतरफा बदमाशी का विरोध करने का आह्वान किया। आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सहित 10 सदस्य देश हैं। दिलचस्प बात यह है कि थाईलैंड और इंडोनेशिया के आर्थिक मंत्री हाल ही में अमेरिका में थे, और मलेशिया पिछले सप्ताह बाद में शामिल होने वाला देश है, और सभी अमेरिकी प्रशासन के साथ व्यापार वार्ता की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी अनुमानों के अनुसार, 2024 में आसियान और अमेरिका के बीच व्यापार कुल मिलाकर लगभग 476.8अरब डॉलर का था, जिससे वाशिंगटन क्षेत्रीय ब्लॉक का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया।

वास्तव में, आसियान चीन का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। पिछले साल, आसियान को चीन का निर्यात 586.52 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि है। इस वृद्धि के कारण कुछ आसियान देशों के लिए व्यापार घाटा बढ़ गया है और चीनी वस्तुओं के आने से स्थानीय उद्योगों और रोजगार पर दबाव पड़ा है। चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे ने भारत जैसे प्रमुख आसियान देशों को परेशान कर रखा है। पिछले साल, आसियान को चीनी निर्यात 586.52अरब डॉलर था जबकि आसियान से चीनी आयात केवल 395.81अरब डॉलर रहा। चीन को आसियान के निर्यात में बमुश्किल दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी।

व्यापार के मामले में बहुत से आसियान देश चीन पर भरोसा नहीं करते। वे अमेरिका को एक बहुत विश्वसनीय व्यापारिक साझेदार मानते हैं। पिछले साल, अमेरिका और आसियान देशों के बीच कुल व्यापार 476.8अरब डॉलर था। आसियान से अमेरिका का आयात 352.3अरब डॉलर था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि है, जिसके कारण आसियान के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 227.7अरब डॉलर हो गया है, जो 2023 की तुलना में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि है।

ऐसी परिस्थितियों में, बहुत कम देश चीन की इस धमकी को गंभीरता से लेने के लिए तैयार हैं कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सौदे करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जायेगी। भारत सहित अधिकांश देश अमेरिका को चीन की तुलना में अधिक विश्वसनीय व्यापारिक साझेदार मानते हैं। जहां तक भारत का सवाल है, चीन के साथ देश का व्यापार घाटा बढ़ गया है, जो रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, चीन से आयात भारत से उसे निर्यात से बहुत अधिक है। चीन लगातार भारत से आयात को रोक रहा है। वह नेपाल का उपयोग करके सभी प्रकार के चीनी सामानों को भारत में धकेल रहा है। चीन विभिन्न औद्योगिक उत्पाद श्रेणियों में भारत का शीर्ष आयात स्रोत बन गया है। अमेरिका-चीन व्यापार संबंध अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गये हैं, ऐसे में इस बात की प्रबल चिंता है कि चीनी निर्यातक अमेरिकी टैरिफ के कारण उत्पादन को भारत की ओर मोड़ रहे हैं और आगे भी डंपिंग का सहारा लेंगे।

सौभाग्य से, भारत और अमेरिका ने पहले ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चल रही वार्ता की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है, जिसका उद्देश्य व्यापार संबंधों में संतुलन और पारस्परिकता लाना है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के अनुसार, भारत ट्रम्प प्रशासन के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश हो सकता है। व्यापार समझौते से बाजार तक पहुंच बढ़ाने, टैरिफ कम करने और आपसी लाभ के लिए व्यापार घाटे को पाटने की उम्मीद है।

ललित सुरजन की कलम से

स्वच्छ प्रशासन की चिंता-2

'सर्वोच्च न्यायालय ने अभी हाल में टीएसआर सुब्रह्मण्यम और 83 अन्य की जनहित याचिका पर प्रशासनिक सेवाओं के बारे में जो निर्देश दिए हैं उनमें एक यह भी है कि प्रशासनिक अधिकारी मंत्री के मौखिक आदेश पर कोई काम न करें। इस निर्देश की जरूरत क्यों पड़ी? इससे यह प्रतिध्वनित होता है कि मंत्रीगण मनमाने आदेश करते हैं और अधिकारी आंख मूंदकर उनका पालन करते हैं। यह कोई राजशाही या तानाशाही का जमाना तो है नहीं कि अधिकारी सिर झुकाकर राजनेता की हर बात मान ले। मंत्री अगर अधिकारी से नाखुश है तो वह मुख्यमंत्री से शिकायत कर सकता है और मुख्यमंत्री के पास ज्यादा से ज्यादा ऐसे अधिकारी के तबादला करने का ही अधिकार है। बीच-बीच में अधिकारियों के निलंबित करने के प्रकरण भी हुए हैं, लेकिन वैसा सामान्यत- नहीं होता। ध्यान रहे कि हम यह चर्चा उच्च प्रशासनिक अधिकारियों विशेषकर आईएएस इत्यादि के संबंध में कर रहे हैं। जिनका चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा किया जाता है। कुछ माह पूर्व ही उत्तर प्रदेश की आईएएस अधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल के प्रकरण में हमने देखा कि अखिलेश सरकार को निलंबन आदेश वापिस लेना पड़ा।'

(देशबन्धु में 14 नवम्बर 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/11/2.html

परशुराम जन्मोत्सव आज

नेपथ्य में रहने वाले महायोद्धा हैं : परशुराम

विप्र समुदाय अपने आदिदेव भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव को लेकर पूरी तैयारी में खड़ा दिखाई पड़ रहा है। रामायण से लेकर महाभारत तक में परशुराम जी के चरित्र को अत्यंत क्रोधित रूप में प्रकट किया गया है। उनका एक दूसरा स्वरूप भी समाज के सम्मुख आता है , जिसमें हमें यह संदेश मिलता है कि भगवान परशुराम जी ने सदैव अदम्य धैर्य, साहस, पराक्रम, त्याग और विरक्ति से भरे भाव के द्वारा अन्याय का प्रतिरोध किया। हम प्रतिवर्ष उनके जन्मोत्सव अवसर पर उनके द्वारा बताए गए सिद्धांतों को स्मरण करते हैं साथ ही उनके संदेशों पर चलते हुए समाज की बेहतरी के लिए काम करना चाहते हैं। परशुरामजी के विषय में हमें शास्त्रों से जानकारी मिलती है कि उन्होंने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से मुक्त कराया। सवाल यह उठता है कि उन्होंने किन क्षत्रियों का संहार किया और क्यों? भगवान परशुराम का पराक्रम ऐसा था कि इस पृथ्वी पर उनका विरोध करने वाला कोई नहीं था। कश्यप मुनि को उन्होंने 7 द्वीपों सहित पूरी पृथ्वी दान कर दी। कश्यप मुनि ने उन्हें इस पृथ्वी को छोड़ने का आदेश दिया। उन्होंने कश्यप मुनि के कहने पर सब कुछ त्याग दिया किंतु उनका ज्ञान और अदम्य साहस उनके पास सुरक्षित रहा।

परशुराम जी का जन्म ब्रह्मकुल में हुआ था। युद्ध में विजय प्राप्त करने के उपरांत वे स्वयं तो सत्ता से दूर रहे, अपने प्रियजनों, परिजनों को भी सत्ता नहीं सौंपी। वे सत्ता, पद, प्रतिष्ठा, सुख - वैभव और भौतिक महत्वाकांक्षाओं से कोसों दूर रहने वाले सच्चे तपस्वी ब्राह्मण थे । दीर्घकाल तक तपस्या में लीन रहने के बाद भगवान परशुराम दृश्यपटल पर लंबे अंतराल बाद तब अवतरित होते हैं जब अत्याचारी राक्षसों का संहार करने के लिए पुनः एक युग प्रवर्तक इस धरती पर अवतार लेता है। ऐसा माना जा सकता है मानों वे किसी युगनायक की प्रतीक्षा में महेंद्र पर्वत पर तपश्चर्या में लीन थे। चिंतन की बात यह है कि सहस्त्रबाहु अर्जुन के वध में ऐसी क्या विशेष बात है जो इस निमित्त भगवान विष्णु को अवतार लेना पड़ा? वस्तुतः कार्तवीर्य अर्जुन को दो भुजाओं से हजार भुजाओं वाला होने का वरदान भी भगवान विष्णु के ही अवतार दत्तात्रेय ने दिया था। दत्तात्रेय जी, परशुराम के पूर्ववर्ती अवतार कहे गए हैं:

तेन हैहयराजस्य कार्तवीरस्य धीनतः।
वरदेन वरो दत्तो दत्तात्रेयेण धीनता।।
एतद बाहु द्वयां यत्ते मृधे मम कृतेअनघा।
शताधिक दश बाहुनाम भविष्यंति न संशयः।।

इस प्रकार सहस्त्रार्जुन ने वरदान की अमोघ शक्ति पाकर प्रजा का भयंकर उत्पीड़न किया। हर इच्छित वस्तु की लूट-खसोट करते हुए जमदग्नि जैसे तपस्वी की हत्या कर दी। उसने अपनी शक्ति के दर्प में चूर होकर अपनी दूरदम्य हजार भुजाओं से एक बार मां नर्मदा के जल प्रवाह तक को रोक दिया। ऐसे वर प्राप्त महाबली का वध करने हेतु विष्णु जी को ही पुनः अवतार ग्रहण करना पड़ा। भगवान परशुराम जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम की भी परीक्षा ली। अपने रौद्र रूप और पराक्रम से वे श्रीं राम को भयभीत करने की चेष्टा भी करते रहे। जब उन्हें भलीभांति यह अहसास हो गया कि यह सर्वगुण संपन्न धर्म रक्षक क्षत्रिय राजकुमार ही वर्तमान में दुष्टों का संहार करने में समर्थ हैं, तो बिना युद्ध किए उन्होंने पराजय स्वीकार कर ली। विनम्रतापूर्वक अपनी दिव्य शक्तियां प्रभु श्री राम को अर्पित कर पुनः नेपथ्य में चले गए। आज के समय में भगवान परशुराम जी का चरित्र मार्गदर्शक और प्रेरणास्पद है।

- डॉ . सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

'रोटी' से ज़्यादा 'रील' जरूरी हो गई है

सोचिए, सुबह की पहली किरण नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन आपकी नींद खोलती है। दिन भर की चहल-पहल नहीं, बल्कि नोटिफिकेशन की गूंज आपके दिल की धड़कनों को दिशा देती है। अब तो रिश्तों की ऊष्मा भी स्क्रीन की रोशनी में घुलती जा रही है। हम इंसान, जो कभी संवाद में जिया करते थे, अब सिग्नल में सांस लेते हैं। हाल ही में ज़ी-5 पर रिलीज़ हुई फिल्म 'लॉगआउट' ने न सिर्फ इस भयानक आदत की ओर इशारा किया है, बल्कि सीधे-सीधे गाल पर एक करारा तमाचा जड़ा है, जो अब तक स्मार्टफोन को अपना सबसे अच्छा दोस्त मान बैठे थे। फिल्म खत्म होने के बाद सिनेमा हॉल में चुप बैठे रहे शायद वे अपने ही अंदर किसी खामोश चीख को सुन रहे थे। वर्तमान समय में एक औसत भारतीय दिन के 7 घंटे से अधिक मोबाइल स्क्रीन पर बिताता है। अगर इसमें लैपटॉप, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरण जोड़ दें, तो आंकड़ा 10 घंटे के पार जा पहुंचता है। यानी एक व्यक्ति अपनी ज़िंदगी का लगभग आधा हिस्सा वर्चुअल दुनिया में गवां देता है। ये वही समय है, जब वह अपने बच्चे को कहानी सुना सकता था, मां का हालचाल पूछ सकता था या खुद से कोई पुरानी किताब निकाल कर मन के कोनों को साफ कर सकता था।

मोबाइल की लत को हम 'स्मार्ट' होने का प्रतीक मान बैठे हैं। अजीब विडंबना है, जिस यंत्र ने हमें पूरी दुनिया की जानकारी देने का वादा किया था, उसने हमें अपनों से ही बेखबर कर दिया है। अब खाना खाते समय 'रोटी' से ज़्यादा 'रील' जरूरी हो गई है। बच्चों की पहली चाल की तस्वीर भी अब कैमरे के लिए होती है, यादों के लिए नहीं। अध्ययन बताते हैं कि स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से न सिर्फ नींद कम होती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। डिजिटल डिप्रेशन, सोशल मीडिया एंग्जायटी, और फोमो आज फीयर ऑफ मिसिंग आउट जैसे नए विकारों ने शहरी युवाओं के मन-मस्तिष्क पर हमला बोल दिया है। इंसान अब 'अकेले' नहीं रह सकता, क्योंकि उसे हमेशा 'ऑनलाइन' रहना है। एक क्लिक से दुनिया बदलने की शक्ति रखने वाला आज खुद एक क्लिक का गुलाम बन चुका है।

यहां यह भी समझना दिलचस्प होगा कि सोशल मीडिया कंपनियां जानबूझ कर इन प्लेटफॉर्म्स को डोपामिन ट्रिगर के अनुसार डिजाइन करती हैं। आपको एक नोटिफिकेशन मिलेगा, दिमाग खुश होगा, और आप फिर बार-बार उसी प्रतिक्रिया की तलाश में वहां लौटेंगे। यह कोई संयोग नहीं है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक जैसी कंपनियां आपको 'स्क्रॉलिंग के नशे' में बांधने के लिए मनोवैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। मगर दोष सिर्फ तकनीक का नहीं, हम खुद भी तैयार बैठे हैं अपने समय, ध्यान और जीवन को दांव पर लगाने के लिए। डिजिटल डिटॉक्स की बात करने वाले लोग भी एक तस्वीर अपलोड करने के बाद 50 बार चेक करते हैं कि कितने लाइक आए। आत्ममुग्धता और दिखावे की इस दौड़ में हम न सिर्फ खुद को खो चुके हैं, बल्कि अगली पीढ़ी को भी 'डिजिटल नशा' की लत लगा चुके हैं। 'लॉगआउट' जैसी फिल्में हमें सिर्फ एक कहानी नहीं दिखातीं, वे हमें आईना दिखाती हैं, वो आईना जिसमें हमारा चेहरा नहीं, बल्कि एक झुकी हुई गर्दन, थकी आंखें, और हमेशा व्यस्त रहने का भ्रम दिखाई देता है।

-सोनम लववंशी

सानौधा उपद्रव के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू

जेसीबी और पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारी, सरकारी जमीन पर बने पक्के निर्माण और टपरे तोड़े

सागर, देशबन्धु। सानौधा में हुये उपद्रव के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की गई है। मंगलवार सुबह से पुलिस और प्रशासन के अधिकारी दल बल के साथ सानौधा गांव पहुंचे। अचानक भारी पुलिस बल देख गांव में हड़कंप मच गया। टीम ने गांव में सरकारी जमीन पर किये गये अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही शुरू की है। इस दौरान सड़क किनारे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रखे गये टीन के टपरों को तोड़ा गया। साथ ही युवती को भगाकर ले जाने वाले आरोपी अनस अली की दुकानों पर बुलडोजर चलाया। दरअसल ग्राम सानौधा में वर्ग विशेष का युवक हिंदू युवती को अपने साथ भगाकर ले गया था। घटनाक्रम सामने आने के बाद 19 अप्रैल को गुस्साई भीड़ ने गांव में उपद्रव किया था। आरोपी युवक के घर और दुकान में तोड़फोड़ कर आग लगाई थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पथराव किया गया। मामले में पुलिस ने करीब 150 लोगों पर उपद्रव समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। वहीं प्रकरण में युवती को सुरक्षित दस्तयाब कर परिजन को सौंपा गया। आरोपी अनस अली के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। उसे जेल भेजा गया है। उपद्रव का मामला सामने आने के बाद आरोपी अनस अली के परिवार पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया गया था। आरोपों के बाद प्रशासन की टीम ने गांव में सरकारी की नपती की थी। नपती करने पर आरोपी की दुकानें और कुछ मकान अतिक्रमण कर बनाये जाने की पुष्टि हुई थी। जिसके बाद मंगलवार को प्रशासन की टीम अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही करने गांव पहुंची। कार्यवाही के दौरान गांव में एसडीएम अदिति यादव, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत भारी पुलिस बल मौजूद है।

अक्षय तृतीया जैन धर्म में दान, पुण्य और शुभ कार्यों के लिये एक शुभ तिथि है: निर्भय सागर

सागर, देशबन्धु। श्री तपोवन जैन तीर्थ बहेरिया फोरलेन में विराजमान वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर ने अक्षय तृतीया के महत्व के बारे में बताते हुये अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है क्योंकि यह भगवान ऋषभदेव आदिनाथ के प्रथम आहार से जुड़ी है। इस दिन, भगवान ऋषभदेव ने अपने एक वर्ष के उपवास के बाद, राजा श्रेयांस द्वारा दिया गया इक्षु रस गन्ने का रस ग्रहण किया था। अक्षय तृतीया जैन धर्म में दान, पुण्य और शुभ कार्यों के लिये एक शुभ तिथि मानी जाती है। यह दिन जैन समुदाय में भगवान ऋषभदेव के त्याग और तपस्या की याद दिलाता है, जो उन्हें तपस्या और संयम के मार्ग पर चलने के लिये प्रेरित करता है।

एक करोड़ से अधिक की राशि का शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर एसडीएम अदिति यादव, तहसीलदार सुनील शर्मा, तहसीलदार हरीश लालवानी, एसडीओपी प्रकाश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में सानौधा ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब किनारे से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। एसडीएम ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सानौधा के तालाब के किनारे से अतिक्रमण हटाया गया इसी प्रकार सानौधा किला एवं मुख्य सड़क के आसपास से भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही में 15000 स्क्वायर फीट से अधिक की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया जिसकी शासकीय कीमत करीब 1 करोड़ रुपए से अधिक की है।

जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आदतन अपराधी को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। थाना गोपालगंज को 29 अप्रैल को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक जिला बदर आरोपी सन्नी उर्फ शरद शर्मा पिता ओमप्रकाश शर्मा निवासी रिमझिरिया थाना गोपालगंज वर्तमान में थाना गोपालगंज क्षेत्र में अवैध रूप से भ्रमण कर रहा है। प्राप्त सूचना को गंभीरता से लेते हुये थाना गोपालगंज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये क्षेत्र में दबिश दी गई, जहां आरोपी को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुये पकड़ा गया। प्राथमिक जांच में यह पाया गया कि आरोपी जिला दण्डाधिकारी सागर द्वारा पारित जिला बदर आदेश का स्पष्ट उल्लंघन कर रहा था। अत: आरोपी के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 223 एवं मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि आरोपी एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध थाना गोपालगंज में विभिन्न गंभीर धाराओं में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उक्त कार्यवही में निरीक्षक राजेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी गोपालगंज, डीएस मरावी, मणीशंकर मिश्रा, अंसार खान, दीपक व्यास, सुजीत चौरसिया, अनुराग वैद्य, सचित गुप्ता, अंकित तिवारी एवं वर्षा कुंवर का योगदान रहा।

पलकाटोर गांव के 70 वर्षीय बुजुर्ग को आवास की दरकार

शाहगढ़, देशबन्धु। शासन की योजनाओं से कोसों दूर तहसील शाहगढ़ की ग्राम पंचायत पलकाटोर गांव के वार्ड नं एक में रहने वाले 70 वर्षीय वृद्ध मल्थुआ अहिरवार अभी भी उसी कच्चे मकान में रहने को मजबूर है, वृद्ध ने योजना के नाम पर सरपंच और सचिव पर पैसे मांगने का आरोप लगाया है, मल्थूआ का कहना है कि आवेदन कई बार दिये लेकिन आज तक आवास नहीं मिला अभी दस दिन पहले फिर से फोटो खींच कर ले गये। वृद्ध का कहना है कि बारिश होने पर मकान के अंदर पानी भर जाता है, बारिश में बस हर समय एक डर बना रहता है, समूचे हरिजन बाहुल्य इस गांव में पूरे डेढ़ सौ से अधिक हरिजन परिवार निवास करते हैं, बताया जाता है कि अभी तक इस गांव में करीब दस लोगों को आवास योजना का लाभ मिल पाया है।

शोकसभा का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मधुकरशाह वार्ड में कार्यरत रंजना अरूण सफाई संरक्षक के आकस्मिक निधन होने पर उनकी आत्मा शांति के लिये नगर निगम सभाकक्ष नवीन भवन में दोपहर 2 बजे निगम अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में शोक सभा आयोजित की गई जिसमें 2 मिनट मौन धारण कर समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने उनकी आत्म शांति हेतु प्रार्थना की। शोक सभा में स्वास्थ्य अधिकारी राजेश सिंह राजपूत, हरेंद्र खटीक, अभिषेक तिवारी, प्रताप सेन, चंद्रविजय गौर, जया श्रीवास्तव, शंकुनतला गोस्वामी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

बच्चों को धार्मिक ज्ञान के साथ संस्कारवान बनाती है पाठशालायें: प्रदीप सांगानेर

मालथौन, देशबन्धु। सोमवार को श्रमण संस्कृति संस्थान सागानेर जयपुर से पधारे पाठशाला प्रभारी प्रदीप जैन शास्त्री दीप ने नगर के जिनालयो में संचालित पाठशालाओं का निरीक्षण कर संचालिकाओं एवं बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जैन मंदिरों में संचालित पाठशालायें धर्म एसंस्कृति से पहचान कराती उन्हें संस्कारबान बनाती है। जीवन में जीवन को सफल बनाने के लिये अनुशासन और संस्कार जरूरी है। स्कूल में बच्चों को बहुत कुछ सिखाया जाता है। लेकिन बच्चों में पढ़ाई के साथ धार्मिक संस्कार होना जरूरी है। जैन मंदिरों में संचालित पाठशालायें बच्चों को धार्मिक ज्ञान और सस्कारों का बोध कराती है। इसलिये बच्चों को पाठशाला अवश्य भेजें। उन्होंने बच्चों से अनेक प्रश्न पूछे बच्चों ने सरलता से उत्तर दिये। जिस पर उन्होंने बच्चों को पुरुस्कार दिये। पाठशाला की संचालिकाओं को स्मृति चिन्ह भेंट किये। कहा कि आप सबकी मेहनत से बच्चों में धार्मिक संस्कारों का अर्जन हो रहा है। इस दौरान सकल दिंगम्बर समाज के पदाधिकारियों द्वारा पाठशाला प्रभारी प्रदीप भैया का तिलक और माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

जनसुनवाई में हुई 140 आवेदनों पर कार्यवाही

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को 140 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर आरती यादव, देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

फंदे पर झूलता मिला पीएम आवास के सुपरवाइजर का शव

सागर, देशबन्धु। किशोर न्यायालय के पास युवक का शव कमरे में फंदे पर झूलता मिला, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। मृतक की पहचान भोले पिता मुकुंदी सेन उम्र 27 साल निवासी पठारी विदिशा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार मृतक किशोर न्यायालय के पास पीएम आवास का निर्माण कर रहे ठेकेदार का सुपरवाइजर था। मृतक किशोर न्यायालय के पास में साथ में काम करने वाले साइट के चौकीदार निजाम अहिरवार के साथ रहता था। जानकारी के अनुसार शाम को निजाम अपने रिश्तेदार के यहां मकरोनिया गया था। रात में वापस नहीं लौटा। सुबह वापस आते समय उसने मृतक को फोन लगाया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद वह चाय लेकर सुबह करीब 9 बजे कमरे पर पहुंचा। जहां देखा कि भोले पंखे पर फंदे से झूल रहा है। इसके बाद उसने तत्काल अपने ठेकेदार और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मृतक ने सुसाइड क्यों किया, इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

5 करोड़ रुपये की लागत से होगा पुलिस लाइंस की सड़कों का निर्माण

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने पुलिस अधीक्षक विकास सहवाल के साथ पुलिस लाइंस की निर्माणाधीन सड़को के निर्माण हेतु निरीक्षण किया, विधायक जैन ने बताया कि लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से पुलिस लाइंस में सीसी रोड नाली और पेवर ब्लॉक लगाये जाना है, इसके अंतर्गत पुलिस लाइंस की मुख्य सड़क और लगभग सभी आंतरिक सड़को का निर्माण किया जाना है। पुलिस लाइंस में सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी और रहवासी क्षेत्र के अलावा यहां पर स्थित प्रशानिक कार्यालयों को जोड़ने वाली सड़के भी काफी पुरानी हो चुकी हैं इनके पुनर्निमाण की आवश्यकता है इसलिये मंगलवार को एसपी के साथ पुलिस लाइंस का भ्रमण कर सड़को को चिन्हित किया गया है और ठेकदार को अविलंब कार्य शुरू करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एएसपी संजीव उइके, आरआई नितेश वायकर सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

त्रिभाषा विज्ञ पं. प्रेमनारायण द्विवेदी के 19 वें पुण्य स्मरण पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विवि के संस्कृत विभाग एवं आर्ष परिषद के संयुक्त तत्वावधान में त्रिभाषा विज्ञ पं. प्रेमनारायण द्विवेदी के 19वें पुण्यस्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि दो भाषाओं का विज्ञ ही अनुवादक हो सकता है। द्विवेदी जी संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी तीनों भाषाओं में पारंगत थे। उनका अनुवाद कार्य न केवल भाषाओं के बीच सेतु है, बल्कि वह साहित्यिक समृद्धि का मूल आधार भी है। डॉ. रामकुमार खम्परिया ने द्विवेदी जी के जीवन को न भूतो न भविष्यति बताते हुये उनकी सारस्वत साधना को अद्वितीय बताया। विशिष्ट अतिथि हरगोविंद विश्व ने द्विवेदी पर केंद्रित बुंदेली कविता का पाठ किया, अध्यक्षीय उद्बोधन में एड. केके सिलाकारी ने उन्हें संस्कृत जगत का आदर्श पुरुष बताया। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य डॉ. भुवनेश्वर तिवारी, संचालन डॉ. नॉनिहाल गौतम, प्रस्ताविक वाचन डॉ. रामरतन पांडेय तथा आभार प्रदर्शन सूर्यकांत द्विवेदी द्वारा किया गया। अंत में वैदिक शांति पाठ व सामूहिक श्रद्धांजलि के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्शन पर व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दिलाई गई जल संरक्षण की शपथ

बण्डा, देशबन्धु। मप्र जन अभियान परिषद के तत्वाधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन पीएमश्री शास. कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य संतोष चौरसिया थे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ शिक्षक नरेश मिश्रा और राज्य कर्मचारी संघ के तहसील अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर थे। मुख्य अतिथि श्री चौरसिया ने डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि बाबा साहब का जीवन समाज के लिये एक प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष किया और भारतीय संविधान के निर्माण के माध्यम से सभी को समान अधिकार प्रदान किये। नरेश मिश्रा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का मानना था कि समाज में सच्चा परिवर्तन तभी संभव है जब हम सभी एक दूसरे के प्रति सम्मान और समानता का भाव रखें। देवेंद्र ठाकुर ने बाबा साहब के संघर्षों को याद करते हुये कहा कि उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा और दृढ़ संकल्प से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान फूलाबाई अहिरवार एवं चंदविक्रम आठिया, कृष्णकुमार नामदेव ने डॉ.अंबेडकर के जीवन पर आधारित कविता पाठ और भाषण प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन सामाजिक समरसता और समानता के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन आशीष जैन ने किया एवं आभार विनोद दुबे ने माना। इस अवसर पर दरयाव बंसल, कमल अहिरवार, रामप्रताप दुबे लरेठी, भूरे यादव, इमरत लोधी, रतिराम यादव, अजय दुबे सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र व प्रस्फुटन समिति के सदस्य मौजूद थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला सागर म.प्र.
(इश्तहार)
राजस्व प्रकरण क्रमांक 03 अ/6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजेन्द्र हरजानी वल्द रामचंद्र हरजानी निवासी सदर बाजार सागर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि नजूल ब्लॉक नं. 108 प्लाट नं. 4/1 में से रकवा 465 वर्गफुट में से 155 वर्गफुट दुकान पंजीकृत बैनामा कमांक एमपी33712024ए 11137656 दिनांक 13.09.2024 को विक्रेता लक्ष्मी सरयानी, सोनी सरयानी पुत्री स्व.श्री अर्जुनदास सरयानी से क्रय कर कब्जा प्राप्त किया है। अतः नजूल ब्लॉक नं. 108 प्लाट नं. 4/1 में से रकवा 155 वर्गफुट दुकान पर पंजीकृत बैनामा कमांक एमपी 337 12024ए111 37656 दिनांक 13.09.2024 के अनुसार विक्रेता लक्ष्मी सरयानी, सोनी सरयानी पुत्री स्व.श्री अर्जुनदास सरयानी के स्थान पर क्रेता राजेन्द्र हरजानी वल्द रामचंद्र हरजानी निवासी सदर बाजार सागर का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक **14.05.25** तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28.04.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी।

नजूल अधिकारी, सागर

कार्यालय जनपद पंचायत पथरिया जिला- दमोह (म. प्र.)

क्रमांक/ज.पं./मु.मं.क.वि./2025-26/1161 पथरिया दिनांक: 25.04.2025

सूचना

मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना अंतर्गत जनपद पंचायत पथरिया एवं जनपद पंचायत वटियागढ तथा नगर परिषद् पथरिया के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 12.05.2025 को दिन सोमवार को प्रात: 10.00 बजे से सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन कृषि उपज मण्डी पथरिया के प्रांगण में किया जा रहा हैं। पात्र इच्छुक व्यक्ति जनपद पंचायत कार्यालय / संबंधित ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर नि:शुल्क आवेदन प्राप्त कर सकते है, तथा आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 05.05.2025 को समय 03.00 बजे तक निर्धारित की गई हैं।

संपर्क सूत्र :-

श्री यू.एस. मिश्रा लिपिक जनपद पंचायत पथरिया, मो.नं.:- 9098845153
श्री सेवकराम अठ्या सचिव मो.नं. :- 9340550890

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत पथरिया जिला दमोह

कार्यालय नगर पालिका परिषद खुरई, जिला-सागर (म.प्र.)

क्रं. / लोक निर्माण / निविदा/2025/60 खुरई दिनांक 28.04.2025

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	बिड क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम एवं स्थान	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
01	GEM/2025/B/6177325 28.04.2025	निकाय क्षेत्रांतर्गत सम्मिलित हुए नवीन वार्डों में एवं विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाईट पोल प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	06 माह 84,27,915/-	63500/-	29.05.2025

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.gem.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद खुरई

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद खुरई

CHANGE OF NAME

I , KAMLESH DEVI MOTHER OF NO - 4580924A RANK HAV NAME CHHOTOO PRESENTLY RESIDING AT VILL - MANKEDHA , PO - MANKEDHA , TEH - AGRA , DIST - AGRA , STATE - UP , PIN - 282001 HAVE CHANGED MY NAME FROM KAMLESH DEVI (OLD NAME) TO KAMLESH KUMARI (NEW NAME) VIDE AFFIDAVIT DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

CHANGE OF NAME

I , S SAVITHIRI MOTHER OF NO - 4581791F RANK LANCE NAIK NAME DHANISH C PRESENTLY RESIDING AT H. NO - 8/125A , MOHALLA - KAVUVILAI , PALLIKAL VILL - PAINKULAM , PO - PAINKULAM , TEH - KILLIYOOR , DISTRICT - KANYAKUMARI, STATE - TAMIL NADU PIN - 629173 HAVE CHANGED MY NAME FROM S SAVITHIRI (OLD NAME) TO SAVITHREE CHANDRAN (NEW NAME) VIDE AFFIDAVIT DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

CHANGE OF NAME

WE , VIKRAM & ANITA ARE PARENTS OF ARMY NO - 4586466L RANK NAIK NAME MISAL DEEPAK VIKRAM UNIT 19 MAHAR PRESENTLY SERVING IN CHQ MRC C/O 56 APO HOME ADDRESS VILL - BORKHED , POST - POHNER , TEH - PARLI (VAIJNATH) DIST - BEED , STATE - MAHARASHTRA, PIN - 431128 HAVE CHANGED MY NAME FROM VIKRAM TO MISAL VIKRAM PARAJI AND CHANGED FROM ANITA TO MISAL ANITA VIKRAM IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , S CHANDRAN FATHER OF NO - 4581791F RANK LANCE NAIK NAME DHANISH C PRESENTLY RESIDING AT H. NO - 8/125A , MOHALLA - KAVUVILAI , PALLIKAL VILL - PAINKULAM , PO - PAINKULAM , TEH - KILLIYOOR , DISTRICT - KANYAKUMARI, STATE - TAMIL NADU PIN - 629173 HAVE CHANGED MY NAME FROM S CHANDRAN (OLD NAME) TO CHANDRAN SOMAN (NEW NAME) VIDE AFFIDAVIT DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

CHANGE OF NAME

I , GURUVAYYA PUJERI FATHER OF NAME SHANKARAYYA PUJERI HOME ADDRESS AT H NO 66A/2 PUJERI STREET , VTC - DESHANUR , PO - DESHNUR , SUB DIST - SAMPGAON , DIST - BELAGAVI, STATE - KARNATAKA, PIN CODE - 591147 HAVE CHANGED MY NAME FROM GURUVAYYA PUJERI TO GURAVAYYA SHIVALINGAYYA PUJERI . VIDE AFFIDAVIT DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

CHANGE OF NAME

I , MALLAVVA MOTHER OF NAME SHANKARAYYA PUJERI HOME ADDRESS AT H NO 66A/2 PUJERI STREET , VTC - DESHANUR , PO - DESHNUR , SUB DIST - SAMPGAON , DIST - BELAGAVI, STATE - KARNATAKA, PIN CODE - 591147 HAVE CHANGED MY NAME FROM MALLAVVA TO MALLAVVA GURUVAYYA PUJERI . VIDE AFFIDAVIT DATED 29/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

सट्टा में रुपए हारने के बाद की चोरी, चोर हुआ गिरफ्तार

पुलिस ने चोरी की घटना का 24 घंटे के अंदर किया खुलासा

पलेरा, देशबन्धु। पुलिस ने एक मकान से चोरी करने वाले आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कंट्रोल रूम में आज मंगलवार को जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम इस चोरी की घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए डे? लाख रुपए जप्त कर लिए हैं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह सट्टा में रुपए हार गया था, जिससे उसने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आपको बता दें कि फरियादी के मकान से 26 अप्रैल की रात को चोरी हो गई थी। फरियादी के परिजन शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे और इसी दौरान चोर ने मौके का फायदा उठाकर मकान से चोरी कर ली थी।

इस मामले के खुलासे में जतारा एसडीओपी ने बताया है कि 27 अप्रैल को फरियादी शहादत खान उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड नं. 12 चूड़ी मार्केट पलेरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें फरियादी किराने का व्यवसाय करता है। 26 अप्रैल को उनकी पत्नी व बच्चे घर का ताला लगा कर पलेरा में शादी में खाना खाने रात 8 बजे चले गये थे व रात 8.45 बजे घर वापस आकर बाहर का ताला खोला तो दरवाजा की कुंदी अन्दर से बंद थी, तो पत्नी ने फरियादी को सूचना दी। फरियादी घर पहुँचा और बड़े भाई के घर से चढ़कर अपने छत से अन्दर जाकर दरवाजा खोला तो देखा कि अंदर के कमरे के ताले का कुन्दा टूटा था और लोहे की टंकी के ताले का कुंदा टूटा पड़ा था। वहीं हरे रंग के थैला में रखे ?1,50,000 नही मिले। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी की इस घटना का पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा तत्काल संज्ञान लिया गया एवं मामले के के खुलासे सहित आरोपी की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कस्बा पलेरा अंतर्गत हुई चोरी के खुलासे के लिए थाना प्रभारी पलेरा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र की सहायता एवं पूछताछ के आधार पर मामले के संदेही आरोपी फरहान खान पिता शहीद खान उम्र 21 साल निवासी वार्ड नं. 12 पलेरा को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ के बाद चोरी करना स्वीकार किया एवं चोरी करने का कारण सट्टा में पैसा हारना व उधारी बताया गया। पुलिस ने आरोपी फरहान खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मकान से चोरी किए ?1,50,000 नगद बरामद किए।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी पलेरा निरीक्षक मनीष मिश्रा, उनि. संतोष सिंह गौड़, सउनि फूलचन्द्र बौद्ध, प्रआर रमाशंकर कुशवाहा, ध्रुव पटेरिया, आर प्रवेन्द्र पटेल, ललित कुशवाहा, रामप्रकाश अहिरवार, बृजेन्द्र, अजय अहिरवार, आर अजय अहिरवार, नरेन्द्र पटेल, रामकृष्ण कुर्मी, ज्ञानसिंह सेंगर, चालक आर सुमित दुबे की विशेष भूमिका रही।-6

पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी पहल :

अफसर ने पेड़-पौधे लगाने का दिया आदेश, यातायात प्रभारी ने लगा दिए 8 हजार पौधे

टीकमगढ़, देशबन्धु । पुलिस अधिकारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की एक सराहनीय पहल सामने आई है।

जिले में रह चुके तत्कालीन एसपी रोहित काशवानी के निर्देश पर यातायात प्रभारी कैलाश कुमार पटेल ने पुलिस लाइन ग्राउंड में वेस्ट पानी का उपयोग कर 8 हजार पौधे लगाए हैं। वर्तमान एसपी मनोहर मंडलोई ने इसका प्रोत्साहन किया और ग्राउंड को चारों ओर से बंद करा दिया है। ताकि जानवरों से पेड़ों की सुरक्षा हो सके।

टीआई पटेल ने बताया कि पुलिस लाइन की 30 एकड़ जमीन को हरा-भरा बनाने के लिए पिछले साल बारिश के मौसम में 10 हजार पौधे लगाए थे। उनकी सिंचाई के लिए पुलिस लाइन में रहने वाले कर्मचारियों के घरों से निकलने वाले गंदे पानी का उपयोग किया। पौधों को नालियों के किनारे लगाया गया है। इससे कम पानी में भी पौधे नमी पाकर जीवित रहते हैं।

करीब एक साल पहले टीकमगढ़ आए पटेल ने पुलिस लाइन ग्राउंड को नया रूप देने का संकल्प लिया। पानी की कमी एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन वेस्ट पानी के इस्तेमाल से उन्होंने इस समस्या का समाधान निकाला। पुलिस लाइन ग्राउंड में 50 अलग-अलग प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। टीआई पटेल के अनुसार अगले दो साल तक इन पौधों को पानी की जरूरत होगी। नालियों के पास लगाए जाने से पौधों की जड़ों में नमी बनी रहती है। इस अभिनव पहल से टी आई पटेल ने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। उनके इस प्रयास की चर्चा पूरे शहर में हो रही है। पुलिस लाइन ग्राउंड में आने वाला हर व्यक्ति उनकी इस पहल की सराहना करता है।

सड़क पर अतिक्रमण से आए दिन लगता है जाम, बच्चों और आम लोगों को हो रही परेशानी

दिगौडा, देशबन्धु। टीकमगढ़ झांसी हाइवे सड़क पर ग्राम बम्होरी बराना के बस स्टैंड के पास स्थित शासकीय कन्या एवं बालक माध्यमिक शाला स्कूल के पास प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती है। यहां पर स्कूल के पास सड़क के दोनों तरफ लोग अपने वाहन खड़े कर देते हैं और मैन रोड पर दुकानदारों द्वारा सड़क के किनारे से दुकानें लगाने और कुछ लोग हाथ ठेले लगा लेते है जिस कारण से बम्होरी में आए दिन वाहनों का लंबा जाम लग जाता है। यहां पर सड़क के किनारे दोनों तरफ अतिक्रमण एवं वाहन खड़े होने की स्थिति में आए दिन दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। स्कूल के बच्चों को सड़क के किनारे से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

मवेशियों को नहीं मिल रहा पानी, लोगों ने की अतिक्रमण हटाने की मांग

दिगौड़ा, देशबन्धु । तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्होरी बराना के कैलाश सागर तालाब बराना में एवं नंदनवारा तालाब पर लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। इन दोनों तालाबों पर गर्मी के मौसम में ग्रामीण लोगों द्वारा तालाब की भूमि पर फसल की बोवनी कर अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे इन तालाबों में तालाब में पानी की मात्रा दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है।

वहीं दूसरी ओर दबंगों द्वारा तालाब के चारों ओर गर्मी के मौसम की फसलें सब्जी, तरबूज, ककड़ी एवं धना मूंग उड़द की फसल की बोवनी कर दी गई है। तालाब में लगभग जगह-जगह विद्युत मोटर चोरी से चलाई जा रही है। इन विद्युत मोटरों से दूर दूर तक पानी ले जाकर सब्जियां एवं फसल की बोवनी कर दी गई है। इतनी भीषण गर्मी के मौसम में मवेशियों को पानी पीने के लिए तालाब में जगह तक नहीं है।

दबंगों द्वारा तालाब के चारों तरफ घाट पर फसलें एवं सब्जी बोई गई है, जिससे मवेशियों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है। तालाब व उसके आसपास की शासकीय जमीन पर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया, मवेशियों को चरने के लिए जमीन नहीं है, जिससे मवेशी भूखे प्यासे दम तोड़ रहे हैं। सिंचाई विभाग के कर्मचारी अनभिज्ञ बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन दोनों तालाब से अतिक्रमण हटाया जाए, जिससे मवेशी को घास एवं पानी मिल सके और तालाबों में पानी का लेबल कम ना हो सके।3-4

जिला सहकारी बैंक में चोरी: छत की खिड़की से घुसे चोर; कंप्यूटर सर्वर और बंदूक ले गए

बल्देवगढ़, देशबन्धु । थाना क्षेत्र में लगातार चोरों के हौसले बुलंद है 1 साल के अंदर अज्ञात चोरों द्वारा कई जगह चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। उसके बावजूद भी पुलिस प्रशासन अभी तक चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं कर पा रहा है। नगर स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में चोरी की वारदात सामने आई है। बैंक के शाखा प्रबंधक राकेश कुमार गंगेले ने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि जब वे मंगलवार सुबह 10 बजे बैंक पहुंचे, तो बैंक का मुख्य द्वार और दूसरा गेट ताले से बंद था। अंदर जाने पर उन्होंने पाया कि शाखा प्रबंधक कक्ष का ताला टूटा हुआ था। रिकॉर्ड कक्ष और तिजोरी कक्ष के ताले भी टूटे मिले। तिजोरी को भी नुकसान पहुंचाया गया था। चोर स्टोर रूम से 70 हजार रुपए की कीमत की गनमैन की बंदूक ले गए। साथ ही प्रबंधक कक्ष से कंप्यूटर सर्वर, राउटर, कनेक्टर और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी चोरी कर लिया। जांच में पता चला कि चोर छत की खिड़की की जाली काटकर रात में बैंक में घुसे थे। एसडीओपी राहुल कटरे ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 331 (4) और 305द्ध के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल का मुआयना कर सुराग जुटाने में जुटी है।

पाठक और तिवारी को मिली अध्यक्ष की कमान

पलेरा, देशबन्धु । बीते रविवार को राज्य कर्मचारी संगठन के जिले तथा विकासखण्डों सभी 9 तहसीलों के पदाधिकारियों का निर्वाचन टीकमगढ़ के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोंगा में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन का कार्य जिला निर्वाचन प्रभारी प्रदेश मंत्री अरविंद खटीक एवम जिला अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इसी तारतम्य में पलेरा विकासखण्ड एवम पलेरा तहसील के पदाधिकारियों का भी निर्वाचन हुआ। जिसमें पलेरा विकासखण्ड से पुष्पेंद्र कुमार को अध्यक्ष अरुण कुमार सोनी को सचिव तथा सत्यनारायण रिछारिया को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इसके साथ ही तहसील पलेरा से रामकुमार तिवारी को अध्यक्ष कालका प्रसाद अहिरवार को सचिव तथा रामस्वरूप रैकवार को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। संगठन के शेष पदों के लिये निर्वाचन अगले माह में पलेरा में आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रदेश मंत्री की निगरानी में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संगठन विकासखण्ड पलेरा एवम तहसील पलेरा की कार्यकारिणी का विस्तार होगा।

गंदगी और कचरे के ढेर नपा के सफाई अभियान की खोल रहे पोल

पलेरा, देशबन्धु । स्थानीय नगर परिषद की वार्ड क्रं. 2 में रहवासी वर्षों से गंदगी और पानी की समस्या से परेशान है। यहां फैली गंदगी और कचरे के ढेर नपा की सफाई व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। स्वच्छता के नाम पर नपा विकास कार्यों का ढोल पीट रही है। लेकिन सड़कों की तो ठीक नालियों की भी सफाई नहीं हो रही है। वार्ड क्रमांक 2 में बैड़री रोड़ पर गलियों में फैली गंदगी और कचरे से भरी हुई नालियां नागरिकों की समस्या का कारण बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि चुनाव के बाद पार्षद व नपा अध्यक्ष ने इस क्षेत्र की समस्याओं को हल करने पर ध्यान नहीं दिया। डोर-टू-डोर कचरा उठाने के लिए गाड़ियां भी निर्धारित समय पर नहीं आती।पानी की सप्लाई भी बराबर नहीं होने से लोगों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। चुनाव के समय जो वादे किए थे, उन्हें नपा अध्यक्ष व पार्षद भूल बैठे है। नवीन नालियों का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। इसके कारण वार्ड क्रमांक 2 विकास की राह में पिछड़ा हुआ है। इसके साथ ही नगर परिषद प्रशासन द्वारा मच्छरों से निजात दिलाने के लिए फागिंग मशीन एवं दवा छिडकाव नहीं कराए जाने से नागरिकों ने नाराजगी जाहिर की है। विदित हो कि लाखो रुपये पीएमएफएस फंड से खर्च कर फागिंग मशीने एवं अन्य कई उपकरण ख़रीदे जाते हैं । जो अब केवल नगर परिषद की शोभा ब?ते है। बाहर मच्छरों का प्रकोप अब नगरवासियों के लिए एक समस्या की तर्ज पर खड़ा होने लगा है, जिससे निजात दिलाए जाने की मांग की मांग सभी वर्ग के नागरिक करने लगे हैं।

इनका कहना है-

वार्ड क्रमांक 2 में बैड़री रोड़ पर पूर्व से बनी नालियों में उचित निकासी की व्यवस्था नहीं है, नवीन नाली निर्माण के टेंडर लग चुके हैं। जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

अरुण कुमार सोनी
स्वच्छता प्रभारी नगर परिषद पलेरा

यात्री हो रहे परेशान: पलेरा में सिर्फ नाम का बस स्टैंड, न बैठने को कुर्सी और न पीने के लिए पानी

पलेरा, देशबन्धु । स्थानीय नगर में दो जगहों को बस स्टैंड का नाम दिया गया हैं। जिसमें बड़ा बस स्टैंड पर नगर में शुरुआत से ही बसें आती रहीं है। इसके अलावा नगर के छोटा बस स्टैंड पर नगर परिषद के द्वारा लाखों रुपए की राशि खर्च करते हुए बस स्टैंड के लिए सीसी सड़क, सुलभ शौचालय समेत सामुदायिक भवन निर्माण कुछ साल पहले ही हुआ है। ऐसे में नगर के दोनों बस स्टैंड से रोजाना सैकड़ों यात्री सफर करते हैं। अब बात अगर यात्री सुविधाओ की करें तो सुविधा के नाम पर दोनों बस स्टैंड सिर्फ जीरो है। बस स्टैंड पर अव्यवस्थाओं का यह आलम है कि यात्रियों के लिए बैठने के लिए कुर्सी और पीने के लिए पानी तक नहीं है। ऐसे में यात्रियों को खुले आसमान के नीचे खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है, साथ ही मूलभूत सुविधाओं के लिए यात्रियों को इधर-उधर भटकने को मजबूर होना पड़ता है। वर्तमान समय में संपूर्ण नगर में बसों का संचालन थाना तिहारे से किया जा रहा है। लाखों की राशि खर्च होने के बावजूद भी छोटा बस स्टैंड पर अब तक बसों का संचालन शुरू नहीं किया गया। रोजाना बस में सफर करने वाले यात्री बताते हैं कि नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों की उदासीनता एवं अधिकारी कर्मचारियों की मनमानी के चलते अब तक यहां यात्रियों को किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिल सकी है। रोजाना बस में सफर करने वाले सैकड़ो यात्रियों को खासी परेशानी उठाना प?ती है। सर्दी, गर्मी और बारिश में लोग धूप व बारिश में पे?ों के नीचे ख? होकर बसों का इंतजार करते हैं। कुछ लोग चाय,पान एवं मिष्ठान दुकानों की शरण लेते हैं। इसमें भी यात्रियों को दुकानदारों के गुस्से का शिकार होना प?ता है। इस कारण लोग गर्मी में धूप व बारिश से बचने के लिए पे?ों छांव का सहारा लेकर परेशानी झेलते हैं। इस दौरान महिला,बच्चे व वृद्ध लोगों की फजीहत हो जाती है। यहां तक की दोनों बस स्टैंड की जगहों पर पेयजल की भी कोई व्यवस्था नहीं है, यात्रियों को दुकानों से पानी की बोतल खरीदनी पड़ती है। वर्तमान समय में स्थानीय छोटा बस स्टैंड पर बनाए गए सामुदायिक भवन में भी ताला लगा रहता है। शौचालय में गंदगी और बदबू फैली रहती है। इसके साथ ही मांस मछली की भी दुकान काफी समय से यहां लगाई जाती हैं। नगर के विकास के लिए शासकीय राशि खर्च किए जाने के बावजूद भी स्थानीय नागरिकों को नगर के दोनों बस स्टैंड से किसी प्रकार की कोई सुविधा अब तक नहीं मिल सकी है।

सार समाचार

आज निकलेगी भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा

पन्ना, देशबन्धु। समस्त ब्राह्मण समाज पन्ना जिले के तथावधान में भगवान श्री परशुराम प्राकटोत्सव समारोह एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन अक्षय तृतीया के दिन 30 अप्रैल बुधवार को किया गया है जिसमें श्री रामजानकी मंदिर में भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ मूर्ति पूजा सुबह 8:00 से 11:00 तक की जाएगी और 12:00 भगवान का प्राकटोत्सव समारोह आयोजित होगा, इस दौरान महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल होंगे प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है

दर्ज हुए 4 विभिन्न प्रजातियों के 575 गिद्ध

पवई, देशबन्धु। दक्षिण वन मंडल पन्ना में गिद्धों के संरक्षण और संवर्धन के दृष्टिकोण से शासन के निर्देशानुसार वनमण्डल में स्थाई रूप से रहने वाले गिद्धों की संख्या के आकलन के लिए मंगलवार को ग्रीष्मकालीन गणना सभी वन परिक्षेत्रों में की गई। जिसमें वन परिक्षेत्र पवई, रैपुरा, मोहन्द्रा, कल्दा और सलेहा शामिल रहे। गिद्धों के लिए विशेष आवास और बड़ी संख्या के लिए प्रदेश में पहचान प्राप्त करने वाले वन परिक्षेत्र पवई में इस गिद्ध गणना में 4 प्रजाति लांग विल्ड, व्हाइट बैक्ड, इजिप्शियन और रेड हेडेड गिद्ध 483 की संख्या में दर्ज हुए। वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल ने बताया कि ग्रीष्मकाल में 3 प्रजातियां जो कि प्रवास पर आतीं हैं, हिमालयन, यूरेशियन तथा सिनेरियस हैं वापिस चली जाती हैं, अत: इन प्रजातियों के गिद्ध नहीं देखने को मिले। वनमण्डल में चल रहे लगातार संरक्षण के उपायों से गिद्धों की संख्या में विगत वर्षों में अच्छी वृद्धि देखने को मिली है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ सेवानिवृत्ति समारोह

पवई, देशबन्धु। संस्कारिक शिक्षा हेतु पवई नगर की प्रतिष्ठित संस्था सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ आचार्य रामसेवक सेन की सेवानिवृत्ति के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने संस्था को 38 वर्ष अपनी सेवाएं देने के पश्चात सेवानिवृत हुए। इस दौरान सम्मान एवं विदाई समारोह के इस कार्यक्रम में समस्त समिति जन एवं आचार्य परिवार ने रामसेवक जी के सराहनीय कार्यों का उल्लेख करते हुए अपने-अपने विचारों को प्रकट किया। तत्पश्चात सरस्वती शिक्षा परिषद के जिला सचिव प्रमोद नगायच, संस्था के व्यवस्थापक भवानी पटेल,उपाध्यक्ष प्रहलाद बेहरे आरएसएस खंड संघचालक एवं समिति सदस्य डॉ धनराज सिंह भदोरिया,सेवानिवृत्ति वरिष्ठ आचार्य संतोष पाण्डेय,प्राचार्य राजेंद्र तिवारी एवं समस्त विद्यालय परिवार द्वारा साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

नरवाई में आग लगाने पर 27 किसानों को भेजा नोटिस

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत दमोह जिले की राजस्व सीमा में नरवाई/फसल अवशेष में आग लगाने की घटनाओं पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है, जिसके परिपालन में कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी एवं कोटवार द्वारा प्रस्तुत पंचनामा के आधार पर तहसीलदार पथरिया द्वारा 27 किसानों को नोटिस जारी किये गये है। कृषि विभाग और राजस्व विभाग द्वारा निरंतर चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के वाबजूद भी नरवाई जलाने की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, जिससे पशुओं का चारा नष्ट हो रहा है, फसलों में सहायक जीव जंतु नष्ट भी नष्ट हो रहे हैं, वातावरण प्रदूषित और तापमान बढ़ रहा है, मिट्टी के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। खेत में फसल अवशेष/नरवाई जलाने से मृदा के लाभ-दायक सूक्ष्म जीव,किसान के मित्र कहे जाने वाले केंचुए एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाता है, जिससे मृदा सख्त एवं कठोर होकर बंजर हो जाती है। आदेश के उल्लंघन करने पर कृषक जिनके पास 02 एकड़ से कम जमीन है, उन्हें 2500/- रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा। कृषक जिनके पास 02 एकड़ से अधिक एवं 05 एकड़ से कम जमीन है, उन्हे 5000/- रूपये प्रति घटना अर्थदण्ड देय होगा। कृषक जिनके पास 05 एकड़ से अधिक जमीन है उन्हे 15000/- रूपये प्रति घटना अर्थदण्ड देय होगा। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दण्डनीय है।

जनसुनवाई में हुई 23 आवेदनों पर कार्यवाही

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 23 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र एवं संयुक्त कलेक्टर के.एस. गौतम द्वारा जिला मुख्यालय पर पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तरीय

जनसुनवाई में भी आवेदकों की समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण किया गया। राज्य शासन के निर्देश पर आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

बनौली में सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से करेंगे संबोधित

पन्ना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 30 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे से पवई विकासखण्ड के ग्राम बनौली, कुआंताल धाम में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर वर-वधू को आशीर्वाद देंगे।

कलेक्टर सुरेश कुमार ने सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम के दृष्टिगत आज बनौली पहुंचकर अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही पवई विधायक प्रहलाद लोधी के साथ बनौली में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश भी दिए। कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर गर्मी के मौसम में सभी समुचित प्रबंध तथा मेडिकल टीम की तैनाती, पार्किंग व पेयजल व्यवस्था इत्यादि के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलेक्टर द्वारा मोहन्द्रा कस्बे का भ्रमण भी किया गया। इस दौरान उन्होंने अतिक्रमण हटाने के निर्देश गए। साथ ही सड़क किनारे स्थापित अस्थायी गुमटियों को चिन्हांकित स्थान पर शिफ्ट कराने के लिए कहा। इस अवसर पर एसडीएम समीक्षा जैन एवं तहसीलदार प्रीति पंथी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम कनकतला तालाब में किया श्रमदान

दमोह/हटा देशबन्धु। ग्राम कनकतला ग्राम पंचायत सनकुईया सेक्टर हिनोता कलां विकास खण्ड हटा अन्तर्गत जल संरक्षण हेतु विविध कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत सनकुईया,नवांकुर संस्था संत नामदेव शिक्षा समिति हटा प्रस्फुटन समिति कनकतला के संयुक्त प्रयास से सर्व प्रथम तालाब में गहरी करण हेतु श्रमदान किया गया। इसके पश्चात नवांकुर संस्था संत नामदेव शिक्षा समिति हटा के संचालन सुरेश कुमार नामदेव द्वारा सभी उपस्थित जनों के बीच जल संरक्षण हेतु एक शपथ कार्यक्रम आयोजित कर सभी को शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात एक जल संगोष्ठी का आयोजन में सभी उपस्थित ग्राम वासियों को जागरूक करते हुए जनपद पंचायत हटा के अध्यक्ष गंगा राम पटेल ने कहा की पानी की एक एक बूंद अमृत समान है इसे सहेजना एवं पानी की बचत करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सनकुईया सरपंच, बेदराम अहिरवार, उपसरपंच संतोष सिंह राजपूत, राजेश पाराशर बी पी ओ, द्वारका प्रसाद पटेल ए पी ओ,आर के अहिरवार उपमंत्री, पंचायत सचिव, अनरस अहिरवार, नवांकुर संस्था संत नामदेव शिक्षा समिति हटा से कृष्ण कान्त लखेरा, आयुष नामदेव ,जन अभियान परिषद से परामर्श दाता शिवानी लखेरा एवं प्रस्फुटन समिति कनकतला से अजीत सिंह, कृष्ण पाल सिंह एवं सदस्यों एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति में जल संरक्षण संवर्धन हेतु कार्य क्रम सम्पन्न हुए।

जनसुनवाई में 185 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले भर से आये नागरिकों की जनसुनवाई में समस्याएं सुनी। इस दौरान सामान्य जनसुवाई में 185 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान 130 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ 30 आधार कार्ड सम्बन्धी कार्य किये गए। इस दौरान सहायक कलेक्टर ऋषिकेश विजय ठाकरे, अपर कलेक्टर मीना मसराम, संयुक्त कलेक्टर अविनाश रावत, लोकसेवा प्रबन्धक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। सहायक कलेक्टर ने जनसुनवाई व्यवस्था का किया अवलोकन आयोजित जनसुनवाई का सहायक कलेक्टर ऋषिकेश विजय ठाकरे ने जनसुनवाई व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्वंय का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया।

25 पंचायतों में हुई जन सुनवाई

25 पंचायतों में चौथे सप्ताह जनसुनवाई में कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 68 का निराकृत एवं 23 आवेदन लंबित हैं। इसमें बांदकपुर, कुम्हारी, रनेह, मड़ियादो सहित चिन्हित 25 जनपद पंचायत स्तर पर जन सुनवाई की गई।

कृषि विज्ञान केंद्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दमोह देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड भोपाल के आदेशानुसबटियागढ़ तहसीलदार ने अमले के साथ बरतलाई में पेयजल समस्या और विवाद का किया स्थल निरीक्षण, तत्काल बोर खनन कार्य शुरू

दमोह देशबन्धु। जिले की बटियागढ़ ब्लॉक के बरतलाई गांव में उत्पन्न हुई पेयजल समस्या और उससे जुड़े विवाद का निपटारा करने के लिए तहसीलदार योगेन्द्र चौधरी ने त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तहसीलदार चौधरी ने दोनों पक्षों को आपसी सहमति और समझाइश से विवाद सुलझाया। ग्रामीणों की पेयजल की आवश्यकता और जल संकट की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने तत्काल शासकीय भूमि पर बोरवेल खनन की कार्यवाही शुरू कराई। ग्रामीण लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे थे और प्रशासन से बोरवेल खनन की मांग कर रहे थे। तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासकीय खसरा

संस्कृति ज्ञान परीक्षा के शिक्षकों का भोपाल में किया गया सम्मान

दमोह/हटा देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में होने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा मध्यप्रदेश का शिक्षक सम्मान समारोह गायत्री शक्तिपीठ एम.पी.नगर भोपाल में आयोजित हुआ।

अरुण पटेल संयोजक ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने पर दमोह जिले में हटा से रामस्वरूप चौरसिया प्राचार्य एवं आशा राठौर सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय हटा एवं दमोह से प्रदीप खरे, रघु नेमा शिक्षक को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरीश राव वाइस चांसलर पीपुल्स यूनिवर्सिटी भोपाल, कुलमी जी मध्यप्रदेश जोन प्रभारी शांतिकुंज, राजेश पटेल जोन प्रभारी भोपाल की उपस्थिति रही।

बटियागढ़ तहसीलदार ने बरतलाई में पेयजल समस्या और विवाद का किया स्थल निरीक्षण, तत्काल बोर खनन कार्य शुरू

दमोह देशबन्धु। जिले की बटियागढ़ ब्लॉक के बरतलाई गांव में उत्पन्न हुई पेयजल समस्या और उससे जुड़े विवाद का निपटारा करने के लिए तहसीलदार योगेन्द्र चौधरी ने त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तहसीलदार चौधरी ने दोनों पक्षों को आपसी सहमति और समझाइश से विवाद सुलझाया। ग्रामीणों की पेयजल की आवश्यकता और जल संकट की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने तत्काल शासकीय भूमि पर बोरवेल खनन की कार्यवाही शुरू कराई। ग्रामीण लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे थे और प्रशासन से बोरवेल खनन की मांग कर रहे थे। तहसीलदार चौधरी ने दोनों पक्षों को आपसी सहमति और समझाइश से विवाद सुलझाया। ग्रामीणों की पेयजल की आवश्यकता और जल संकट की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने तत्काल शासकीय भूमि पर बोरवेल खनन की कार्यवाही शुरू कराई। ग्रामीण लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे थे और प्रशासन से बोरवेल खनन की मांग कर रहे थे। तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासकीय खसरा भूमि पर खनन कार्य शुरू करवाया, ताकि ग्रामीणों को जल संकट का सामना न करना पड़े। इस दौरान इंजीनियर देवाशीष गर्ग और हल्का पटवारी आकांक्षा चतुर्वेदी सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने की प्रशंसा

अस्पताल के प्रसूति वार्ड में श्वेताम्बर नवयुवक मंडल ने लगाई प्याऊ

गुना, देशबन्धु। गर्मी के सीजन में लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए सामाजिक संस्थाएं तत्परता दिखाते हुए शहर में जगह-जगह प्याऊ लगा रही हैं। इसी सिलसिले में श्री जैन श्वेताम्बर नवयुवक मंडल और सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय स्थित प्रसूति वार्ड के पास प्याऊ का लोकार्पण किया गया।

इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत कार्यवाह अशोक अग्रवाल मुख्य अतिथि की आसंदी से मौजूद रहे। जबकि नव युवक मंडल के संस्थापक सदस्य लोंद्र श्रीमाल, आशीष टाटिया, सेवा भारती अध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी, एसबीआई प्रबंधक अभिषेक सक्सेना, डॉ. श्यामबाबू शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र रघुवंशी, डॉ. आनंद शर्मा ने भी मौजूदगी दर्ज कराई, जिनका नवयुवक मंडल द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि प्याऊ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्लम्बर सत्येंद्र चंदेल और विशाल मालवीय को भी नवयुवक मंडल की ओर से सम्मानित किया गया। नवयुवक मंडल के मुताबिक इससे पहले संस्था द्वारा पुष्पकर कॉम्पलेक्स दुबे कॉलोनी, कैंट क्षेत्र में भी प्याऊ का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी राजमल कोठारी, महावीर श्रीमाल, जैन मिलन अध्यक्ष उम्मेद मल गोलेछा, विजय श्रीवास्तव, मनोहरलाल शर्मा, प्रताप सिंह परिहार, वीरेंद्र अहिरवार, सुनील पांडे, प्रमोद यादव, मंडल सदस्य विकास टांटिया, अमित टाटिया, पराग टाटिया आदि मौजूद रहे। अंत में सचिव नितिन बाठिया ने सेवा भारती परिवार का आभार जताया।

पुलिस ने की जुआरियों की धरपकड़, दो थाना क्षेत्र में कार्रवाई

गुना, देशबन्धु। जिले की कोतवाली और आरोन थाना पुलिस द्वारा विभिन्न जगहों पर जुओं के फडों पर दबिश देकर डेढ़ दर्जन के करीब जुआरियों को दबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने पिप्पल की बाड़ी महावीरपुरा क्षेत्र में जुए के अड्डे पर दबिश देकर 4 जुआरियों को ताश के पत्तों से रुपये-पैसे का दांव लगाते हुए रंगेहाथ पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग पिप्पल की बाड़ी में जुआ खेल रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। यहां पुलिस ने घेराबंदी कर दीपक, आनंद, अरुण और महावीर निवासी महावीरपुरा को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों दबोचा। जिनके पास से पुलिस ने 640 नगद एवं ताश की गड्डी बरामद की। इसी तरह कोतवाली पुलिस ने ही दूसरी कार्रवाई काली माता मंदिर के पास हड्डी मील पर की। यहां पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर काली माता मंदिर के पास जुआ खेल रहे सलीम पुत्र अजीजर खान निवासी जीनघर, लक्की पुत्र बीरू पारदी निवासी हड्डीमील, सोहिल पुत्र इकबाल खान निवासी हड्डी मील को पकड़ा। जिनके पास से पुलिस ने कुल नगदी 2200 रुपये एवं ताश की गड्डी बरामद की।

दमोह में महिला जैन मिलन का भव्य आयोजन, नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ

दमोह देशबन्धु। कांच मंदिर क्षेत्र क्रमांक 10 में महिला जैन मिलन की मासिक बैठक एवं नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह वीरांगना संगीता जैन चौधरी के निवास पर उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। यह आयोजन नारी नेतृत्व, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और सामाजिक समर्पण का प्रतीक बनकर उभरा। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया राष्ट्रीय पदाधिकारी श्री आर. के. जैन, क्षेत्रीय मंत्री कविता ऋषभ जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर दिलेश चौधरी तथा वीर सुधीर डब्लू की विशिष्ट उपस्थिति में। अतिथियों का पारंपरिक स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ।

इसके पश्चात महावीर प्रार्थना ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधनों में संगठन की कार्यप्रणाली, सामूहिक कार्यशक्ति और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एकजुटता, समयबद्धता और टीम भावना से कार्य करने पर संगठन को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली***
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।